शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 256 | गुवाहाटी | रविवार, 20 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आग लगने से पलटी नाव, 148 की मौत 100 से अधिक लापता पेज 2
पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर विहिप ने जताई चिंता, राष्ट्रपति शासन की मांग पेज 3
बंगाल में डायरेक्ट एक्शन जैसा मंजर मूकदर्शक बन देख रही ममता ... पेज 5
आईपीएल 2025 : मुश्किल पिच पर नेहाल बढेरा ने आसान किया लक्ष्य-हरप्रीत बरार पेज 7

देश में हो रहे गृहयुद्ध के लिए सीजेआई जिम्मेदार : दुबे

नई दिल्ली। भाजपा सांसद नेता निशिकांत दुबे ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने देश में हो रहे गृह युद्धों के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को जिम्मेदार ठहराया है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दरअसल, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना इस देश में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहता है। निशिकांत दुबे ने कहा कि आप नियुक्ति प्राधिकारी को कैसे निर्देश दे सकते हैं? राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। संसद इस देश का -शेष पृष्ठ दो पर

विकास के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज बनेगा जीएमसीएच : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) के 5,000 से अधिक बिस्तरों के उन्नयन के साथ असम में देश का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है। अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा के लिए 800 बिस्तर होंगे। सीएम ने आगामी प्रागज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आने वाले कुछ सालों में, गुवाहाटी 5,000 से ज्यादा बिस्तरों के साथ देश का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज होगा। आगामी प्रागज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज, एमएमसीएच और अपग्रेड किए गए जीएमसीएच के साथ, गुवाहाटी देश के सबसे बेहतरीन मेडिकल इकोसिस्टम में से एक होगा। नए जीएमसीएच भवन में प्रिंसिपल का कार्यालय सबसे ऊपरी मंजिल पर होगा। असम सरकार पुराने अस्पताल भवन को पूरी तरह से ध्वस्त कर 3,000 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल विकसित करेगी। सीएम ने कहा कि मेरे विचार से प्रागज्योतिषपुर और जीएमसीएच दोनों की सुपरस्पेशलिटी सेवाएं महेंद्र मोहन चौधरी अस्पताल में स्थानांतरित कर दी जाएंगी। सड़क के दोनों ओर अतिरिक्त इमारतों का निर्माण किया जाएगा। नए बुनियादी ढांचे के अनुसार, अस्पताल के एक हिस्से में 3,000 बिस्तर होंगे, जबकि कैंसर अस्पताल में 2,000 बिस्तर होंगे, जिससे जीएमसीएच में बिस्तरों की कुल क्षमता 5,000 हो जाएगी। शर्मा ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज के बाद यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज बन जाएगा। सिर्फ पूर्वोत्तर या पूर्वी क्षेत्र ही नहीं, यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज होगा। निर्माण कार्य 30 अक्तूबर तक पूरा हो जाएगा। एमएमसीएच न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी सहित सुपर-स्पेशियलिटी देखभाल भी प्रदान करेगा। वर्तमान में, असम में 14 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 1,650 एमबीबीएस सीटें हैं। पिछले साल, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने कॉलेज में प्रति वर्ष 100 एमबीबीएस प्रवेश के साथ तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज को मान्यता दी थी।

60 साल की उम्र में शादी के बंधन में बंधे भाजपा नेता दिलीप घोष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष 60 साल की उम्र में शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने अपनी भाजपा की सहयोगी रिंकू मजूमदार से शादी की है। शादी आज यानी 18 अप्रैल को कोलकाता में उनके आवास पर हुई। 60 वर्षीय भाजपा नेता अब तक अविवाहित थे। कुणाल घोष और देबांगशु भट्टाचार्य सहित कई तृणमूल नेताओं ने इस अवसर पर भाजपा नेता को बधाई दी है। दिलीप घोष के करीबी लोगों के हवाले से बताया कि दोनों की मुलाकात सुबह की सैर के दौरान हुई और समय के साथ उनका रिश्ता मजबूत होता गया। न्यू टाउन में एक निजी समारोह में दोनों की शादी होगी, जिसमें करीबी रिश्तेदार भी शामिल होंगे। कहा यह भी जा रहा है कि शादी का प्रस्ताव दुल्हन पक्ष की ओर से दिया गया -शेष पृष्ठ दो पर

असम में हर वर्ग के व्यक्तियों की खर्च करने की शक्ति एक समान : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार (19 अप्रैल, 2025) को कहा कि असम में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित व्यक्ति की खर्च करने की शक्ति लगभग सामान्य श्रेणी के व्यक्ति के समान है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम घरेलू उपभोग व्यय आंकड़ों का हवाला देते हुए, उन्होंने *सबसे कम उपभोग असमानता* का श्रेय 15वीं-16वीं शताब्दी के नव-वैष्णव संत-सुधारक श्रीमंत शंकरदेव द्वारा परिकल्पित जातिविहीन समाज को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षाओं की बदौलत आज असम में उपभोग असमानता सबसे कम है। दूसरे शब्दों में कहें तो राज्य में सामान्य श्रेणी के व्यक्ति की क्रय शक्ति एससी/एसटी/ओबीसी व्यक्ति जितनी ही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, असम के बाद पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश सबसे अधिक समान राज्य हैं। केरल के बाद सबसे अधिक असमान राज्यों में गुजरात, पंजाब और राजस्थान शामिल हैं। आंकड़ों से पता चला है कि पिछले दशक में ग्रामीण और -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें सितंबर में शुरू होने वाले भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के एक साल तक चलने वाले समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा दो प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखने का भी अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने 8 सितंबर को इन महत्वपूर्ण अवसरों पर शिरकत करने के लिए सहमति व्यक्त की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या को चोर भी नहीं चुरा सकता।

- आचार्य चाणक्य

संदेशखाली में भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता भिड़े, फायरिंग का आरोप, 10 लोग घायल

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले के जोलियाखाली, संदेशखाली में भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प के कारण तनाव बढ़ गया है। इस झगड़े में तृणमूल और भाजपा के कम से कम 10 कार्यकर्ता घायल हो गए। उनमें से आठ की हालत ऐसी थी कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। हंगामे और मारपीट के संबंध में संदेशखली-2 ब्लॉक के तृणमूल अध्यक्ष दिलीप मल्लिक ने दावा किया कि कुछ भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय मस्जिद के इमाम से बात कर रहे थे। उसी समय वहां कुछ तृणमूल कार्यकर्ता पहुंच गए और उन्होंने पूछा कि क्या चर्चा हो रही है तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर अचानक हमला कर दिया। जिसमें छह तृणमूल कार्यकर्ता और समर्थक गंभीर रूप से घायल हो गए। दिलीप मल्लिक ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर गोलीबारी का -शेष पृष्ठ दो पर

भूटान नरेश ने असम में लॉजिस्टिक्स पार्क का दौरा किया

बंगाईगांव (हि.स.)। भारत और भूटान के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देने वाले असम के जोगीघोपा में स्थित अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) टर्मिनल का आज भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने टर्मिनल की कार्यप्रणाली और तकनीकी क्षमताओं का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस टर्मिनल को बेहतर *बुनियादी ढांचे की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम* बताते हुए आंतरिक जलमार्गों को *प्रगति और समृद्धि का मार्ग* बताया है। यह टर्मिनल 18 फरवरी 2025 को केंद्रीय पोर्ट, शिपिंग एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और भूटान सरकार के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्री ल्योंपो नामग्याल दोरजी द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटि किया गया था। उसी दिन से यहां से माल ढुलाई शुरू हो चुकी है। भ्रमण के दौरान केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है जब भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने नव उद्घाटि जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल और जोगीघोपा मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क का दौरा किया। ये दोनों परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* के तहत समावेशी विकास और सतत प्रगति के लक्ष्य से जुड़ी हैं। यह टर्मिनल भूटान के गेलफू से 91 किमी, बांग्लादेश सीमा से 108 किमी और गुवाहाटी से 147 किमी की दूरी पर स्थित है, जिससे यह भारत, भूटान और बांग्लादेश के बीच व्यापारिक गतिविधियों का अहम केंद्र बन गया है। यह टर्मिनल भारत-बांग्लादेश के बीच पीडब्ल्यूटी एंड टी समझौते के तहत घोषित -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर की किशोरी ने दिल्ली में छत से कूदकर की खुदकुशी

नई दिल्ली (हि.स.)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली की सनलाइट कॉलोनी में मणिपुर की एक महिला ने इमारत की छत से कूदकर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान मणिपुर के बिष्णुपुर की 20 वर्षीय प्रियलक्ष्मी देवी खंगेबम के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह महिला -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में इमारत ढहने से एक ही परिवार के आठ लोगों समेत 11 की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार तड़के एक इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कई लोग फंस गए। अबतक इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 8 लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में मकान मलिक तहसीन (60) की भी मौत हो गई है। मौके पर एनडीआरएफ, दमकल, दिल्ली पुलिस और स्थानीय लोग बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। चार मंजिला इमारत आज तड़के 2.39 बजे अचानक -शेष पृष्ठ दो पर

एक जुलाई से तेज रफ्तार कार दौड़ाई तो होगी कार्रवाई : केंद्र

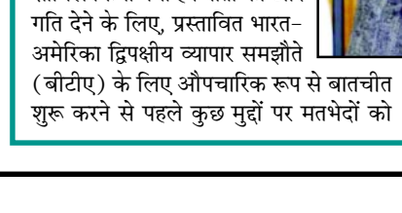

नई दिल्ली। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी सिलसिले में केंद्र सरकार की ओर से एक बड़ा कदम उठाया गया है। सड़क सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए और ट्रैफिक की दिक्कतों को कम करने के लिए नया उपकरण लाया गया है। वाहन की गति को मापने के लिए अब रडार सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। सरकार ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के अंतर्गत वाहनों की गति मापने वाले रडार के लिए नियम -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर सरकार का निर्देश-

हथियार लाइसेंसधारकों और डीलरों के जांचे जाए कागजात, आदेश न मानने पर होगी सजा

इंफाल। मणिपुर सरकार ने राज्य के सभी जिलों में हथियार लाइसेंस रखने वालों और हथियार डीलरों के कागजों की जांच करने का निर्देश दिया है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। गृह विभाग के आयुक्त ने सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों (उपायुक्तों) से कहा है कि वे अपने-अपने जिलों में हथियार लाइसेंसधारकों और डीलरों के दस्तावेजों की जांच करें। अधिकारी ने बताया कि इस आदेश का पालन नहीं करने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है और संबंधित व्यक्ति को सजा भी हो सकती है। इसी बीच, मणिपुर पुलिस ने कांगपोकपी जिले के लिए अलग आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इस जिले के सभी हथियार लाइसेंसधारक और डीलर 25 अप्रैल तक अपने हथियार लाइसेंस की खुद से सत्यापित प्रति और एक निर्धारित फॉर्म भरकर -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार चुनाव से पहले जेडीयू को बड़ा झटका

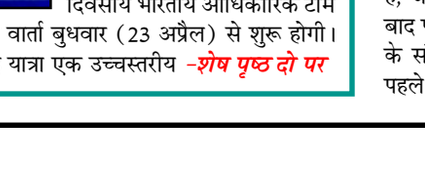

वक्फ कानून को लेकर एक और नेता ने दिया इस्तीफा

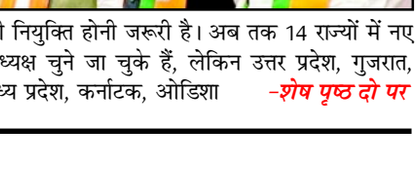

किशनगंज। मुस्लिम बहुल किशनगंज जिला में वक्फ संशोधन कानून को लेकर जंग छिड़ा हुआ है। वहीं, शनिवार को इस कानून को लेकर जदयू पार्टी को बड़ा झटका लगा है। जदयू के मजबूत स्तंभ माने जाने वाले जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने वक्फ संशोधन कानून का जदयू द्वारा समर्थन करने से आहत होकर इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-अमेरिका के बीच होगा ट्रेड एग्रीमेंट

19 चैप्टर में डील का मसौदा तैयार, वाशिंगटन में होगी बातचीत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए दोनों देशों द्वारा अंतिम रूप दिए गए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में लगभग 19 अध्याय शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इनमें वस्तु, सेवाओं और सीमा शुल्क सुविधा जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है। वार्ता को और गति देने के लिए, प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने से पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए एक भारतीय आधिकारिक दल अगले सप्ताह अमेरिका का दौरा कर रहा है। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच आमने-सामने की पहली वार्ता के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगले वाणिज्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एक अक्तूबर से पदभार ग्रहण करेंगे। अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन में अमेरिकी समकक्षों के साथ तीन दिवसीय भारतीय आधिकारिक टीम की वार्ता बुधवार (23 अप्रैल) से शुरू होगी। यह यात्रा एक उच्चस्तरीय -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर बड़ा एलान, बदल जाएगी पूरी भाजपा कैबिनेट

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में एक बड़ा संगठनात्मक फेरबदल जल्द देखने को मिल सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस वीकेंड तक पांच राज्यों के लिए नए प्रदेश अध्यक्षों के नाम का एलान कर सकती है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अप्रैल के अंत तक भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है, जो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी की नई दिशा और रणनीति तय करेगा। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति होनी जरूरी है। अब तक 14 राज्यों में नए अध्यक्ष चुने जा चुके हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आग लगने से पलटी नाव, 148 की मौत 100 से अधिक लापता

कांगो। अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। कांगो नदी में मंगलवार को एक लकड़ी की मोटरबोट में आग लगने से भयंकर हादसा हो गया। इस घटना में अब तक 148 लोगों की मौत की हो चुकी है, जबकि दर्जनों अब भी लापता हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब नाव नदी के बीचोंबीच थी और सैकड़ों यात्री सफर कर रहे थे। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब एचबी कांगो नाम की नाव ने मटानकुमु पोर्ट से बोलोम्बा क्षेत्र की ओर अपनी यात्रा शुरू की थी। नाव में करीब 500 यात्री सवार थे। दुर्घटना के दौरान खाना बनाते वक्त चूल्हे से निकली एक चिंगारी ने आग का रूप ले लिया और पूरी नाव को चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और नाव कुछ ही मिनटों में पलट गई। नदी सुरक्षा विभाग के अधिकारी कॉम्पिटेंट लोयोको के मुताबिक, हादसे की शुरुआत नाव पर खाना पकाते समय हुई। आग लगने के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि लोग अपनी जान बचाने के लिए नदी में कूदते नजर आए। लेकिन दुर्भाग्यवश, उनमें से कई लोगों को तैरना नहीं आता था, जिस कारण वे डूब गए। इस हादसे ने अफ्रीकी जल परिवहन की बदहाल व्यवस्था की एक झलक भी दुनिया को दिखा दी है। कोंगो नदी, जो अफ्रीका की दूसरी सबसे लंबी नदी मानी जाती है, वहां इस तरह की नावों से सफर आम बात है। लेकिन अक्सर इन नावों में न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते हैं और न ही आग जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी। यही वजह है कि हादसे की भयावहता कई गुना बढ़ गई। नाव में मौजूद यात्रियों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे, जिससे मृतकों की संख्या और अधिक बढ़ने की आशंका है। रेस्क्यू टीम अब भी लापता लोगों की तलाश में लगी हुई है। इस भयावह हादसे ने दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि विकास और सुरक्षा में कितना असंतुलन अभी भी मौजूद है, खासकर उन इलाकों में जहां जल परिवहन जीवन का अहम हिस्सा है।

मुर्शिदाबाद : पीड़ितों से मिले बिना जा रहे थे राज्यपाल, गाड़ियों के आगे बैठ गए लोग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान में शनिवार को राज्यपाल को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। राज्यपाल धुलियान के वार्ड-16 के बेदवाना गांव में ग्रामीणों से मिले बिना जा रहे थे, जिस पर ग्रामीण भड़क गए और जमकर हंगामा किया। विरोध को देखते हुए राज्यपाल ग्रामीणों से मिले और उनकी बात को सुना। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को इस इलाके में जमकर तोड़फोड़ हुई। उपद्रवियों ने मंदिरों को भी निशाना बनाया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में मारे गए एक दो लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हरगोविंद दास और चंदन दास के शव शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में उनके घर में पाए गए थे और शरीर पर चाकू से वार के कई निशान थे। राजभवन के एक अधिकारी ने कहा कि राज्यपाल उनके (मृतकों के परिजनों के) घर गए, परिवार के सदस्यों से बात की और उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। परिजनों ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की है। उधर, राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख विजया रहाटकर के नेतृत्व में एक टीम ने आज धुलियान में हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार उचित कदम उठाएगी। इस दौरान पीड़ित महिलाओं ने महिला आयोग की टीम को धुलियान के बेटबोना कस्बे के पीड़ितों ने अपनी आपबीती सुनाई और मांग की कि जिले में स्थायी बीएसएफ कैंप स्थापित किए जाएं और सांप्रदायिक झड़प की एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) जांच की जाए।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की अपहरण के बाद पीट-पीटकर हत्या

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता को कथित तौर पर उनके घर से अगवा कर लिया गया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। शुक्रवार को एक खबर में यह दावा किया गया। एक अखबार ने पुलिस और परिवार के सदस्यों के हवाले से बताया कि ढाका से लगभग 330 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दिनाजपुर के बसुदेबपुर गांव के निवासी भाबेश चंद्र रॉय (58) का शव गुरुवार रात बरामद किया गया। रॉय की पत्नी शांतना ने को बताया कि उन्हें (रॉय) शाम करीब 4:30 बजे एक फोन आया और उन्होंने (शांतना) दावा किया कि अपराधियों ने घर पर उनकी मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए यह फोन किया था। खबर में लिखा गया है कि लगभग 30 मिनट बाद, दो मोटरसाइकिल पर चार लोग आए और कथित तौर पर भाबेश को परिसर से अगवा कर ले गए। इसमें बताया गया कि रॉय को नाराबारी गांव ले जाया गया, जहां उनके साथ क्रूरता से मारपीट की गई।

सरकारी विभागों में छंटनी पर खफा हुए जज, ट्रंप को लताड़ा

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के एक जज ने ट्रंप प्रशासन के कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने का कारण बताने का निर्देश दिया है। सैन फ्रांसिस्को के जिला जज ने शुक्रवार को प्रशासन को आदेश दिया कि वह सामूहिक रूप से निकाले गए कर्मचारियों को लिखित में बताए कि उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण नहीं, बल्कि सरकारी खर्चों में कटौती के अभियान के तहत बर्खास्त किया गया है। जज विलियम अलसुप ने श्रमिक और गैर लाभकारी संगठनों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर यह आदेश दिया है। इन याचिकाओं में गत फरवरी में ट्रंप प्रशासन की ओर हजारों प्रोबेशनेरी कर्मचारियों की बर्खास्तगी को चुनौती दी गई है। गत मार्च में विलियम ने छह संघीय एजेंसियों को इन कर्मचारियों को बहाल करने का निर्देश दिया था। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह इस आदेश पर रोक लगा दी थी। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी खर्चों में कटौती के लिए सरकारी दक्षता विभाग का गठन किया है, जिसका जिम्मा अरबपति एलन मस्क को सौंपा है।

प.बंगाल में हो रहे हिंसा के खिलाफ विहिप और बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में हिंदुओं के ऊपर हो रहे हमले को लेकर शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्य बजरंग बली के शरण में पहुंच कर घंटों हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भागलपुर के सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। इस मौके पर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि हमारे पालनहार वीर हनुमान बजरंगबली है। उनके दूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जैसे योद्धा ही इसको जवाब देंगे। कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू समुदाय के लोगों के साथ लगातार अत्याचार हो रहे हैं।

पंजाब में 13 आतंकी गिरफ्तार, दो आरपीजी व आरडीएक्स समेत हथियारों का जखीरा बरामद

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के नियंत्रण में विदेशों से चलाए जा रहे आईएसआई समर्थित दो आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक, दो रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) सहित एक लॉन्चर बरामद किया है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से समर्थित आतंकवादी मॉड्यूलों को बब्बर खालसा इंटरनेशनल नियंत्रित कर रहा था, जिनके दो मुख्य संचालक फ्रांस आधारित सतनाम सिंह उर्फ सत्ता और ग्रीस आधारित जसविंदर सिंह उर्फ मन्नू अगवान थे। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि खुफिया ऑपरेशनों के तहत काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर और जिला पुलिस बटाला ने दोनों मॉड्यूलों को प्रभावी ढंग से नष्ट किया और एक नाबालिग सहित 13 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। डीजीपी ने कहा कि उक्त आतंकियों की भूमिका पहले भी विभिन्न कार्रवाइयों में सामने आई थी, जिसमें सतनाम 2010 के आईईडी और आरडीएक्स बरामदगी केस में शामिल पाया गया था। उन्होंने कहा कि दो आरपीजी सहित एक लॉन्चर के अलावा पुलिस टीमों ने 2.5-2.5 किलो वजन के दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), डेटोनेटर सहित दो हैंड ग्रेनेड, रिमोट कंट्रोल डिवाइस सहित दो किलो आरडीएक्स, पांच पिस्तौल बरेटा और ग्लॉक बरामद की हैं। इसके अलावा छह मैगजीन और 44 कारतूस और एक वायरलेस सेट, तीन वाहन भी जब्त किए गए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इन मॉड्यूलों का पर्दाफाश करके पंजाब पुलिस ने सरहदी राज्य में शांति और सद्भावना को भंग करने की पाक-आईएसआई की साजिश को नाकाम कर दिया है। जालंधर के एआईजी नवजोत सिंह माहल ने कहा कि खुफिया जानकारी पर आधारित इस ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने होशियारपुर के बस्ती अमृतसरियां के जगरुप सिंह, कपूरथला के दबुर्जी के जतिंदर सिंह उर्फ हनी, धर्मकोट होशियारपुर के हरप्रीत सिंह और कपूरथला के जगजीत सिंह को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये आरोपी फ्रांस स्थित सतनाम सत्त के निर्देशों पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए और जांच की जा रही है और अंजाम दिए गए पिछले अपराधों का पता लगाने की कोशिश भी जारी है। दूसरे मॉड्यूल संबंधी कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए सीनियर सुपरडेंटेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) बटाला सुहैल कासिम मीर ने कहा कि खुफिया जानकारी पर आधारित हफ्ता भर चले इस ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने एक 17 वर्षीय नाबालिग सहित नौ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। नाबालिग के अलावा गिरफ्तार किए गए अन्य आठ व्यक्तियों की पहचान पवनप्रीत सिंह, बलबीर कुमार उर्फ वरुण, गोमजी उर्फ गोटा, गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी, अजयपाल सिंह, राहुल उर्फ भैया और जोहनसन, सभी निवासी बटाला और कपूरथला के जतिंदर के रूप में हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

देश में हो रहे ...

कानून बनाती है। आप उस संसद को निर्देश देंगे? आपने नया कानून कैसे बना दिया? उन्होंने आगे कहा कि किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना है? इसका मतलब है कि आप इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहते हैं। जब संसद बैठेगी तो इस पर विस्तृत चर्चा होगी ध्यान देने वाली बात है कि भाजपा सांसद की यह टिप्पणी वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय में चल रही सुनवाई के बीच आई है। इससे पहले शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता कल्याण बनर्जी ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता और वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल की आलोचना की। टीएमसी नेता ने जगदंबिका पाल को अलोकतांत्रिक व्यक्ति भी कह डाला। कल्याण बनर्जी ने शुक्रवार को कहा था कि जगदंबिका पाल को अपने घिनौने काम के कारण तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। वह एक अलोकतांत्रिक व्यक्ति हैं। वक्फ अधिनियम केवल सदस्यों की संख्या के आधार पर पारित किया गया है। मैं आश्वासन दे सकती हूं कि इसे असंवैधानिक घोषित किया जाएगा। जानकारी दें कि भाजपा नेता और वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने कहा कि यदि यह पाया गया कि संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट असंवैधानिक है तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। जगदंबिका पाल ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि अगर हमारी ओर से बनाई गई रिपोर्ट असंवैधानिक है या धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करती है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

असम में हर वर्ग के ...

शहरी क्षेत्रों में उपभोग असमानता में सबसे बड़ी कमी एससी और ओबीसी श्रेणियों के लोगों में देखी गई। हालांकि, औसत सामान्य श्रेणी का खर्च अन्य वर्गों की तुलना में कम से कम 10 प्रतिशत मासिक अधिक था। असम में सामान्य वर्ग के लोगों और एसटी के बीच कोई खपत अंतर नहीं था। एससी के लिए खर्च का अंतर 1.01 गुना था, जबकि ओबीसी के पास सामान्य वर्ग के लोगों की तुलना में 0.01 गुना अधिक खर्च करने की शक्ति थी। आंकड़ों से पता चला कि केरल में सामान्य श्रेणी का व्यक्ति अनुसूचित जाति के व्यक्ति से 1.58 गुना अधिक, अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति से 1.42 गुना अधिक तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्ति से 1.24 गुना अधिक खर्च करता है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि गुजरात ओबीसी के लिए, हरियाणा एससी के लिए, तथा पंजाब एसटी के लिए सबसे अधिक असमान है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री ...

प्लेटफार्म एक्स पर दोनों नेताओं की तस्वीरें जारी करते हुए मुलाकात की जानकारी दी। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मुझे भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के वर्ष भर चलने वाले समारोह के उद्घाटन समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उन्हें असम आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने इस अवसर पर असम बायो-इथेनॉल संयंत्र के उद्घाटन के लिए उनकी अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति का अनुरोध किया, जिसकी उत्पादन क्षमता 49 केटीपीए इथेनॉल है तथा इसमें फीडस्टॉक के रूप में 300 केटीपीए बांस का उपयोग किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि इसके अलावा, मैंने उनसे दो प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखने का भी अनुरोध किया। इनमें 5,700 करोड़ रुपए की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना और दारंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की परियोजनाएं शामिल हैं।

60 साल की उम्र में ...

था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार समेत वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने सुबह घोष के न्यू टाउन स्थित आवास पर जाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उनके करीबी एक भाजपा नेता ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में आईपीएल मैच के दौरान दिलीप घोष और उनकी होने वाली पत्नी शामिल हुए थे। अब उन्होंने शादी करने का फैसला किया। इससे पहले दिलीप घोष ने एक समाचार चैनल से कहा है कि मेरी मां चाहती थीं कि मैं शादी कर लूं, इसलिए उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए मैं विवाह बंधन में बंध रहा हूं। मैं पहले की तरह सक्रिय राजनीति में बना रहूंगा। मेरे निजी जीवन का मेरे राजनीतिक कार्यों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, दुल्हन का नाम रिंकू मजूमदार है। रिंकू लंबे समय से भाजपा कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पार्टी की महिला शाखा, ओबीसी मोर्चा, हथकरघा प्रकोष्ठ और कई अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं की जिम्मेदारी संभाली है। मजूमदार की यह दूसरी शादी है और उनका एक बेटा भी है। आए दिन अपने बयानों की वजह से जाने जाने वाले दिलीप घोष युवावस्था से ही आरएसएस के सदस्य रहे हैं। 2015 में भाजपा में सक्रिय होने से पहले उन्होंने देश भर में विभिन्न भूमिकाओं में इसकी सेवा की। राज्य अध्यक्ष के रूप में उन्हें पश्चिम बंगाल में माकपा की जगह भाजपा को मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है। खड़गपुर के पूर्व सांसद दिलीप घोष से अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बंगाल में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता दिलीप घोष का हाल ही में दिया गया बयान चर्चा में है, जब उन्होंने कथित तौर पर हिंदू समुदाय के सदस्यों से घर पर हथियार रखने का आह्वान किया था। हाल ही में वक्फ कानून को लेकर हुई हिंसा के दौरान हिंदुओं के घरों को निशाना बनाए जाने की खबरें थीं। मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी। उत्तर 24 परगना में एक सार्वजनिक रैली में घोष ने कथित तौर पर कहा कि हिंदू टेलीविजन सेट, रेफ्रिजरेटर और नए फर्नीचर खरीद रहे हैं। उनके घर में एक भी हथियार नहीं है। जब कुछ होता है, तो वे पुलिस को बुलाते रहते हैं। पुलिस आपको नहीं बचाएगी।

संदेशखाली में भाजपा-टीएमसी...

भी आरोप लगाया। हालांकि, भाजपा ने आरोपों को खारिज कर दिया है। भाजपा के उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट सांगठनिक जिला अध्यक्ष सुकल्याण वैद्य ने दावा किया कि तृणमूल ने वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में जालियाखाली में विरोध मार्च का आयोजन किया था। तृणमूल के लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को जबरन उस जुलूस में ले जाने की कोशिश की। जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस में शामिल होने से इन्कार कर दिया तो तृणमूल के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। तभी दोनों पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई। उनका दावा है कि तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बिना उकसावे के भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई की। हंगामे की खबर मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। उन्होंने दोनों पक्षों के आठ घायल लोगों को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई। इस अशांति के मद्देनजर संदेशखाली थाने के ओसी बालया घोष ने कहा कि घटना के सिलसिले में दोनों पक्षों के कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

भूटान नरेश ने असम...

पोर्ट ऑफ कॉल में से एक है। वर्ष 2027 तक इस टर्मिनल से प्रति वर्ष 11 लाख टन माल ढुलाई की उम्मीद है। करीब 82 करोड़ रुपये की लागत से बने इस टर्मिनल में आरसीसी जेट्टी, इलेक्ट्रिक लेवल लफिंग क्रेन, प्रशासनिक भवन, कस्टम्स व इमिग्रेशन ऑफिस, ट्रक पार्किंग, 1100 वर्ग मीटर का कवर स्टोरेज एरिया (बिजली बैकअप के साथ) और 11,000 वर्ग मीटर का ओपन स्टोरेज क्षेत्र शामिल है। इस अवसर पर असम सरकार के मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, मुख्य सचिव रवि कोटा, आईडब्ल्यूएआई के निदेशक, जिला प्रशासन व आईडब्ल्यूएआई के वरिष्ठ अधिकारी तथा भूटान सरकार के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

एक जुलाई से तेज ...

अधिसूचित किए हैं। इसे एक जुलाई से लागू किया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बयान में कहा कि नए नियम लागू होने से उद्योगों और प्रवर्तन एजेंसियों को प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। ये सड़कों पर वाहनों की गति मापने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले *माइक्रोवेव डॉपलर रडार उपकरण* पर लागू होंगे। ये नियम विस्तृत तकनीकी और सुरक्षा जरूरतों का पूरा करते हैं। ऐसे उपायों से प्रौद्योगिकी विश्वसनीयता और कानूनी जवाबदेही को बढ़ावा मिलेगा। नए ढांचे के अनुसार सभी गति मापक उपकरणों को सत्यापन से गुजरना होगा और तैनाती से पहले आधिकारिक सत्यापन और मुहर हासिल करनी होगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य गति और दूरी माप के लिए सटीक आंकड़ों की गारंटी देना है, जो यातायात कानून लागू करने के लिए महत्वपूर्ण है। इन नियमों के कार्यान्वयन से सभी पक्षों को कई लाभ मिलेंगे। आम लोगों के लिए रडार आधारित गति माप उपकरणों का अनिवार्य सत्यापन और स्टाम्पिंग, गति सीमाओं के सटीक प्रवर्तन को सुनिश्चित करेगा, जिससे अनुचित दंड को रोका जा सकेगा और सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उद्योगों के लिए विशेष रूप से रडार आधारित गति-मापन उपकरणों के विनिर्माण में शामिल उद्योगों के लिए नए नियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक स्पष्ट तकनीकी और नियामकीय ढांचा स्थापित करते हैं।

हथियार लाइसेंसधारकों ...

अपने नजदीकी पुलिस थाने में जमा करें। स्थानीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने गांवों में लाइसेंसधारकों को इस प्रक्रिया की जानकारी दें और यह सुनिश्चित करें कि सभी लोग समय पर दस्तावेज जमा करें। हाल के दिनों में मणिपुर में हिंसा और हथियारों के दुरुपयोग की घटनाओं के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। सरकार का मकसद है कि सभी हथियार कानूनी रूप से लाइसेंस प्राप्त हों और कोई भी अवैध हथियार का उपयोग न कर सके। सरकार ने सभी लाइसेंसधारकों से अपील की है कि वे समय पर अपने दस्तावेज जमा करें और जांच प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे और किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

वक्फ कानून को...

कानून मुस्लिम समुदाय के संपत्ति छीनने और उसके हक पर अधिकार जमाने वाला कानून है। पार्टी उनकी बातों को नहीं सुनी और वे इस कानून के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए पूर्व में ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं और वे इस कानून के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि मैं विधायक, सांसद रहूं या ना रहूं लेकिन अपने समुदाय के अधिकार को लेकर हमेशा खड़े रहेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि 15 साल से पार्टी के लिए सिपाही की तरह काम किया। क्षेत्र में पार्टी के संगठन को मजबूत कर आगे बढ़ाया लेकिन पार्टी उनकी नहीं सुनी। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि वे आज पार्टी से अलग हो रहे हैं इसका गम है, लेकिन अपने और समाज के अधिकार के लिए कुछ करने के लिए त्याग भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय भी जदयू का वोटर है लेकिन नीतीश कुमार ने उसे दरकिनार कर जो फैसला लिया है वो इस समुदाय के लोगों को स्वीकार नहीं है। हालांकि, आगामी विधानसभा चुनाव से पहले किशनगंज में जदयू पार्टी के मजबूत स्तंभ माने जाने वाले मुजाहिद आलम के पार्टी से इस्तीफा देने से पार्टी कमजोर होने की बात राजनीतिक जानकार बता रहे हैं। पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही उनके पार्टी कार्यालय से नीतीश कुमार का जदयू वाला लगा पोस्टर हटा दिया गया और नया स्लोगन सीमांचल के मर्दे मुजाहिद मास्टर मुजाहिद वाला पोस्टर लगाया गया। बताते चलें कि बीते लोकसभा चुनाव में वे जदयू पार्टी से प्रत्याशी भी थे। वहीं, किसी अन्य पार्टी में जाने की बात पूछने पर उन्होंने बताया कि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

भारत-अमेरिका के ...

अमेरिकी टीम के भारत दौरे के कुछ ही सप्ताह के भीतर हो रही है। यह बताती है कि बीटीए के लिए वार्ता गति पकड़ रही है। पिछले महीने दोनों देशों के बीच वरिष्ठ अधिकारी स्तर की वार्ता हुई थी। दक्षिण और पश्चिम एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडनलिंच भारतीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण व्यापार चर्चा के लिए 25 से 29 मार्च तक भारत में थे। दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क पर नौ अप्रैल को घोषित 90 दिन की रोक का उपयोग करना चाहते हैं। इससे पहले, 15 अप्रैल को वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा था कि भारत अमेरिका के साथ जल्द से जल्द वार्ता को समाप्त करने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार उदारीकरण का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। दोनों पक्षों ने इस साल की शरद ऋतु (सितंबर-अक्तूबर) तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य रखा है, जिसका मकसद वर्तमान में लगभग 191 अरब डॉलर से 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। व्यापार समझौते के तहत दो देश व्यापार होने वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को काफी कम कर देते हैं और समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को भी आसान बनाते हैं। 2021-22 से 2024-25 तक अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका का लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत हिस्सा है। अमेरिका के साथ, भारत का 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) था। 2023-24 में यह 35.32 अरब डॉलर, 2022-23 में 27.7 अरब डॉलर, 2021-22 में 32.85 अरब डॉलर और 2020-21 में 22.73 अरब डॉलर था।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ...

और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में यह पद अभी खाली है। इस हफ्ते इन राज्यों के लिए नामों का एलान हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। यह मंथन अगले अध्यक्ष के चयन और संगठनात्मक बदलावों की ओर इशारा करता है। सूत्रों के मुताबिक, अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा इसको लेकर मनोहर लाल खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान, और भूपेंद्र यादव जैसे दिग्गज नेताओं के नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इन नामों पर जल्द ही आरएसएस से भी फीडबैक लिया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष के चुनाव के बाद मोदी कैबिनेट में भी विस्तार और फेरबदल की संभावनाएं जताई जा रही हैं। माना जा रहा है कि इसमें एनडीए सहयोगी दलों जैसे एनसीपी, शिवसेना और बिहार के नेताओं को भी जगह मिल सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जेपी नड्डा जनवरी 2020 में अध्यक्ष बने थे। आम तौर पर भाजपा अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है, लेकिन चुनाव टलते रहे और नड्डा का कार्यकाल बढ़ा दिया गया। 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी अब सोच-समझकर अगला चेहरा चुनना चाहती है, ताकि आगामी राज्य चुनावों और 2029 की तैयारियों के लिए रणनीति पक्की की जा सके।

मणिपुर की किशोरी ...

सनलाइट कॉलोनी में एक तीन मंजिला इमारत में पिछले साल अक्तूबर से एक रूममेट के साथ रह रही थी। शनिवार सुबह करीब 6.22 बजे उसकी मौत के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को कॉल मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां महिला का शव मिला। पुलिस के मुताबिक वह महिला और रूममेट नोएडा में एक बीपीओ कंपनी में काम करती थी। मृतका की रूममेट ने प्रियलक्ष्मी के रोजगार और निवास के विवरण की पुष्टि की। इमारत की छत से लगे सीसीटीवी फुटेज में मृतका अकेले चलती और कूदती हुई दिखाई दे रही है, जो पहली नजर में आत्महत्या का मामला दर्शाता है। आगे की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर ली गई है। जिला क्राइम टीम की मौजूदगी में मृतका के कमरे की जांच की गई है। पुलिस के मुताबिक मृतका के फोन में एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसकी गहरी भावनात्मक और मानसिक परेशानी का पता चलता है। उसने असफलता और अकेलेपन की भावनाओं को व्यक्त किया है। फिहाल पुलिस ने मृतका के परिवार को सूचित कर दिया है और शव को एम्स के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया गया है।

दिल्ली में इमारत ...

जमींदोज हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने इस हादसे में 11 लोगों के मरने की पुष्टि करते हुए इनके नामों की सूची भी जारी की है। मृतकों में तीन महिलायें और चार बच्चे भी हैं। इनमें आठ लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में 11 लोग घायल हैं, जिनमें से 6 को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और 5 का इलाज अब भी जारी है। माना जा रहा है कि हादसे के समय इमारत में 22 से 24 लोग मौजूद थे। एनडीआरएफ के अधिकारियों के मुताबिक उनकी टीम आज सुबह 4.50 बजे घटना स्थल पर पहुंची थी। उनके पहुंचने से पहले ही 10 से 15 लोगों को स्थानीय लोगों और अन्य एजेंसियों ने मलबे से निकाल लिया था। अबतक एनडीआरएफ ने 8 लोगों को निकाला है, जिनमें से 7 अचेत अवस्था में थे। एक महिला को जिंदा बचाया गया है। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल के मुताबिक फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 2:50 बजे एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। हम मौके पर पहुंचे और पाया कि पूरी इमारत ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं।

पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर विहिप ने जताई चिंता, राष्ट्रपति शासन की मांग

गुवाहाटी/विश्वनाथ (हिंस/विभास)। वक्फ कानून में संशोधन के विरोध के नाम पर पश्चिम बंगाल में फैली हिंसा और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने गहरी चिंता जताई है। शुक्रवार को गुवाहाटी प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में असम विहिप इकाई ने राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। विहिप के अनुसार, पश्चिम बंगाल की मौजूदा स्थिति अत्यंत भयावह और चिंताजनक हो चुकी है। मुर्शिदाबाद जिले से शुरू हुई हिंसा धीरे-धीरे पूरे राज्य में फैल चुकी है। परिषद ने आरोप लगाया कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार न सिर्फ इन घटनाओं को रोकने में असफल रही है, बल्कि कई बार हिंसा के दौरान प्रशासन की भूमिका एक मूकदर्शक की रही है। विहिप ने कहा कि 11 अप्रैल, 2025 को जब केंद्र सरकार द्वारा वक्फ कानून में संशोधन किया गया, तब उसका विरोध करने के बहाने सामान्य हिंदू नागरिकों को हिंसा का शिकार बनाया गया, जिनका इस कानून से कोई लेना-देना नहीं था। परिषद के अनुसार, यह स्पष्ट है कि यह विरोध केवल एक बहाना था और असली उद्देश्य मुर्शिदाबाद को हिंदू-शून्य बनाना था। हिंसक घटनाओं में अब तक 200 से अधिक हिंदू घर और दुकानें जला दी गई हैं, कई लोगों को पीटा गया है और तीन हिंदुओं की उनके घरों से निकालकर हत्या कर दी गई। इसके चलते 500 से अधिक हिंदू परिवारों को क्षेत्र छोड़कर पलायन करना पड़ा है। परिषद ने राज्य सरकार पर मुस्लिम कट्टरपंथियों का पक्ष लेने का आरोप लगाया और कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ित हिंदुओं की मदद करने की बजाए उन इमामों का समर्थन किया, जिन्होंने हिंसा को उकसाया था। एक इमाम ने यहां तक कहा कि अगर ममता बनर्जी मुसलमानों के साथ नहीं रहीं, तो उन्हें भी सबक सिखाया जाएगा। विहिप ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार शरणार्थियों को सुरक्षा देने के बजाए हिंसक समूहों के हवाले कर रही है। विश्व हिंदू परिषद ने केंद्र सरकार से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए, हिंसा और हत्याओं की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी जाए और राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्रीय सुरक्षा बलों को दी जाए। इसके साथ ही, परिषद ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकालने और भारत-बांग्लादेश सीमा के शेष 450 किलोमीटर क्षेत्र में शीघ्र बाड़ लगाने की मांग की है। परिषद ने कहा कि अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है।

गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर साउकुची इलाके में छापेमारी कर एक महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान सजिदा बेगम (32), पत्नी मोहम्मद अजिजुर हक, निवासी थाना अलगापुर, जिला हैलाकांदी के रूप में हुई है। पुलिस ने महिला के पास से कुल 278.38 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की है, जो चार साबुन के डब्बों और 13 प्लास्टिक पैकेटों में रखी गई थी। इसके अलावा उसके पास से 1, 49, 500 रुपए नगद और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपी महिला के फाटाशील आमबाड़ी थाना क्षेत्र के दतालपारा, नतून बस्ती स्थित किराए के घर में भी तलाशी ली, जहां से 1800 खाली वायलें और 100 खाली साबुनदानी के डब्बे बरामद किए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरपीएफ ने गुवाहाटी में नए एस्कॉर्ट हॉल और सीसीटीवी सुविधा के साथ रेल सुरक्षा को बढ़ाया

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ करने और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास के तहत, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक मनोज यादव ने आज गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित एस्कॉर्ट मोबिलाइजेशन हॉल और व्यापक रूप से उन्नत सीसीटीवी निगरानी कक्ष का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव के साथ-साथ वरिष्ठ रेल अधिकारियों और आरपीएफ कर्मियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। यह पहल एनएफआर क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने में एक परिवर्तनकारी कदम साबित होगा। एस्कॉर्ट मोबिलाइजेशन हॉल, जो अब पूरी तरह से चालू है, को एक केंद्रीकृत समन्वय केंद्र के रूप में देखा जाता है। यह आरपीएफ एस्कॉर्ट कर्मियों की तैनाती और लामबंदी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगा। इस समर्पित सुविधा के साथ, आरपीएफ आपातकालीन परिदृश्यों में अधिक दक्षता, सटीकता और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ एस्कॉर्ट ड्यूटी का प्रबंधन करने में बेहतर ढंग से सुसज्जित है। इस सुविधा के पूरक के रूप में नवीनतम अत्याधुनिक निगरानी तकनीक से सुसज्जित नया संवर्धित सीसीटीवी निगरानी कक्ष है। यह उन्नत प्रणाली पूरे स्टेशन परिसर की व्यापक निगरानी कवरेज प्रदान करती है, जिससे आपराधिक गतिविधियों का पता लगाने और उन्हें रोकने की क्षमता बढ़ती है, वास्तविक समय की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है और अंततः हर दिन गुवाहाटी स्टेशन से गुजरने वाले हजारों यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

नगांव जेल से इलाज के दौरान फरार हुआ एनडीपीएस का आरोपी

नगांव (असम) (हिंस)। नगांव के विशेष कारागार में बंद एक विचाराधीन कैदी के रहस्यमय ढंग से अस्पताल के बिस्तर से फरार हो जाने की घटना ने हड़कंप मचा दिया है। जानकारी के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किए गए आरोपी राजू अली को कुछ दिन पहले नगांव सदर पुलिस ने न्यायालय में पेश कर विशेष कारागार भेजा था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि ड्रग्स की अवैध तस्करी के मामले में गिरफ्तार राजू अली को 14 अप्रैल को अचानक तबीयत बिगड़ने पर इलाज के लिए नगांव मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि वह निमोनिया से पीड़ित था और उसका इलाज चल रहा था। वह जुरिया का निवासी है। हालांकि उसकी हालत में कुछ सुधार भी देखा गया था, लेकिन अचानक उसके अस्पताल के बेड से फरार हो जाने की खबर से अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों में हड़कंप मच गया। सवाल उठ रहा है कि अस्पताल परिसर में मौजूद पुलिस सुरक्षा के बावजूद आरोपी कैसे फरार हो गया। इस घटना ने जेल प्रशासन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। क्या यह एक सुनियोजित भागने की साजिश थी? उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले इसी जेल से एक और आरोपी दीवार फांद कर फरार हो गया था, जिस पर राज्य के गृह सचिव ने खुद 12 फरवरी को जांच के लिए जेल का दौरा किया था। अब एक बार फिर से कुछ ही दिनों के अंतराल पर अस्पताल से कैदी के फरार होने की घटना ने जेल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। नगांव पुलिस फरार आरोपी की तलाश में अभियान चला रही है, हालांकि खबर लिखे जाने तक उसे पकड़ा नहीं जा सका था।

असम कांग्रेस ने पंचायत चुनावों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की

गुवाहाटी। राज्य में आगामी पंचायत चुनावों में भ्रष्टाचार, आंतरिक तोड़फोड़ और कदाचार के गंभीर आरोपों के बाद, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी सदस्यों के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों की गहन जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री पबन सिंह घटोवार करेंगे। अन्य दो सदस्य पूर्व विधायक आरपी सरमह्म और एपीसीसी के उपाध्यक्ष बोबीता शर्मा हैं। शनिवार को जारी कार्यालय आदेश में बोरा ने कहा कि हाल के पंचायत चुनावों के दौरान भ्रष्टाचार, आंतरिक तोड़फोड़ और कदाचार से संबंधित गंभीर आरोपों के मद्देनजर, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) इन आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लेती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और आंतरिक अनुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए, पार्टी ने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है कि दोषी पाए जाने वालों को कठोर परिणाम भुगतने होंगे। बोरा ने कहा कि इसके अनुसार, एआईसीसी महासचिव प्रभारी जितेंद्र सिंह जी के निर्देशानुसार, मैं पार्टी सदस्यों के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों की गहन जांच के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री पबन सिंह घटोवार की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित कर रहा हूं। समिति पंचायत चुनावों से संबंधित पार्टी को प्राप्त सभी शिकायतों की जांच करेगी, जिसमें टिकट वितरण में अनियमितताएं, टिकट के लिए नकदी के सौदे के आरोप, विपक्षी उम्मीदवारों को जानबूझकर वाकओवर देना, नामांकन पत्रों को बिना किसी कारण के वापस लेना और पार्टी विरोधी आचरण के अन्य कृत्य शामिल हैं। बोराह ने कहा कि समिति आरोपी पार्टी सदस्यों की दोषसिद्धि, यदि कोई हो, का पता लगाएगी और उसे स्थापित करेगी; किसी भी सदस्य को, चाहे वह आरोपी हो या अन्य, गवाही के लिए बुलाएगी। समिति के समक्ष उपस्थिति को सभी अभियान-संबंधी कर्तव्यों से अधिक प्राथमिकता दी जाएगी। समिति 7 मई को या उससे पहले अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। असम पंचायत चुनाव दो चरणों में होने हैं। पहला चरण 2 मई को 14 जिलों में और दूसरा चरण 7 मई को शेष 13 जिलों में होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 अप्रैल थी। मतों की गिनती 11 मई को होगी।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2025 का शंखनाद

गुवाहाटी। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी (अणुविभा) द्वारा पूरे देश में अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट-2025 का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय *संविधान की धार, मर्यादाओं का हो आधार* है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र निर्माण है। इसमें निबंध लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, गायन और भाषण प्रतियोगिताओं में कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता चार चरणों में स्कूल, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाएगी। अणुव्रत समिति, गुवाहाटी द्वारा इस प्रतियोगिता का शंखनाद शनिवार को श्री दिगंबर जैन विद्यालय में प्रिंसिपल श्रीमती रश्मि ठोल्या व विद्यालय प्रबंधन समिति के सहमंत्री श्री ताराचंदजी ठोल्या ने संयुक्त रूप से बैनर का अनावरण किया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय अध्यक्षा एवं सचिव ने किया होजाई शाखा का दौरा

होजाई (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय अध्यक्षा श्रीमती शीतल सोमानी एवं प्रांतीय सचिव श्रीमती निशा काबरा ने अपने एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत होजाई शाखा का शुक्रवार को दौरा किया। स्थानीय जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन के पहले तले के सभागार में होजाई शाखा की अध्यक्ष प्रियंका सरावगी की अध्यक्षता में आयोजित सभा में प्रांतीय पदाधिकारी का असमिया फुलाम गमोछा व जापी पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद शाखा सचिव प्रियंका बेरीवाल ने शाखा द्वारा किए गए कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। नारी शक्ति को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्षा श्रीमती शीतल सोमानी ने कहा कि नारी शक्ति को और सशक्त करने हेतु हमें एकजुटता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करना होगा। उन्होंनें कहा महिलाएं जिस भी संस्था से जुड़ती है उसे सशक्त कर देती हैं। नारी शक्ति राष्ट्र शक्ति के नारे के साथ उन्होंने होजाई शाखा के कार्य की प्रशंसा की। प्रांतिय सचिव श्रीमती निशा काबरा ने कहा किसी भी संस्था में सदस्यों में एकजुटता, सामाजिक कार्य करने की इच्छा शक्ति ही संस्था को सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने होजाई शाखा की सभी सदस्यों से अनुरोध किया की ज्यादा से ज्यादा मातृशक्ति को संस्था से जोड़े व सबको साथ लेकर कार्य करें। वहीं, उन्होंने प्रांतीय समिती सशक्तिकरण की सहप्रमुख श्रीमती ज्योति सुरेखा के अथक प्रयास से रोहा में एक नई शाखा का गठन हुआ उसके लिए उनकी प्रशंसा की। इस दौरान शाखा अध्यक्षा श्रीमती प्रियंका सरावगी ने प्रांतीय अध्यक्षा व सचिव को धन्यवाद देते हुए कहा आपने अपना बहुमूल्य समय निकालकर जो हमें मार्गदर्शन दिया है, उसके लिए हम आपके तहे दिल से आभारी है। उन्होंने कहा कि हम आपके बताइए मार्ग का अनुसरण करेंगे व संस्था को और आगे बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे। सभा का संचालन मृदुल अग्रवाल एवं प्रतिभा राठी ने किया। वहीं, धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ। इस दौरान काफी संख्या में मातृशक्ति मौजूद थी।

कावेरी अस्पताल अलवरपेट में हृदय वाल्व स्टेनोसिस के लिए गैर सर्जिकल प्रक्रिया

चेन्नई। डॉ. राजाराम अनंतरामन, कावेरी में वरिष्ठ सलाहकार इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट हॉस्पिटल्स, अलवरपेट, चेन्नई एक अग्रणी मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवा संस्थान है। ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रतिस्थापन के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला (टीएवीआर) प्रक्रिया। इस न्यूनतम आक्रामक तकनीक ने हाल ही में एक 73 वर्षीय मरीज को गंभीर महाधमनी वाल्व स्टेनोसिस और हृदय सहित कई सह-रुग्णताओं से पीड़ित गुर्दे की विफलता, जीवन का एक नया पट्टा। व्यक्ति को पहले भी हृदयाघात हुआ था, तथा पैर में लगातार दर्द की शिकायत थी। सूजन, अत्यधिक थकान और सांस फूलना। उनका बिगड़ता स्वास्थ्य, और भी अधिक गंभीर हो गया गुर्दे की विफलता के कारण वे पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी के लिए अयोग्य हो गए। हालांकि, टीएवीआर प्रक्रिया, जिसमें आक्रामक सर्जरी के बिना महाधमनी वाल्व को बदलना शामिल है, की पेशकश की गई थी व्यवहार्य समाधान. उल्लेखनीय बात यह है कि प्रक्रिया के तीन दिन बाद ही मरीज को छुट्टी दे दी गई। और दो महीने के भीतर हृदय और गुर्दे दोनों के कार्यों में भारी सुधार दिखा है, जिससे वह बेहतर जीवन स्तर जीने में सक्षम हो सके। भारत में संरचनात्मक हृदय रोगों की व्यापकता के बारे में बताते हुए, डॉ. आर अनंतरामन उन्होंने कहा कि संरचनात्मक हृदय रोग, जो हृदय के वाल्व, दीवारों और कक्षों को प्रभावित करते हैं, हृदय-संवहनी चिकित्सा में यह समस्या लंबे समय से एक चुनौती रही है। पारंपरिक उपचार में जटिल प्रक्रियाएं शामिल थीं ओपन-हार्ट सर्जरी से काफी जोखिम उत्पन्न होता है, विशेष रूप से बुजुर्ग मरीजों और हृदय रोग से पीड़ित लोगों के लिए। अनेक सह-रुग्णताएं। हालांकि, टीएवीआर ने कम लागत वाली सुविधाएं प्रदान करके परिदृश्य में क्रांति ला दी है। आक्रामक, कैथेटर-आधारित समाधान, कम समय में ठीक होने वाला और रोगी की स्थिति में सुधार वाला परिणाम। महाधमनी स्टेनोसिस, महाधमनी वाल्व का संकुचन, सबसे आम और गंभीर बीमारियों में से एक है संरचनात्मक समस्याएं, विशेष रूप से 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों में। यदि उपचार न किया जाए, तो गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस हो सकता है इससे जीवन अवधि दो वर्ष से भी कम हो सकती है। हालांकि, समय पर हस्तक्षेप, जैसे कि बीएवीआर से मरीज लगभग सामान्य जीवन प्रत्याशा प्राप्त कर सकते हैं।

अनिल कुमार सुराणा निर्विरोध मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष चुने गए

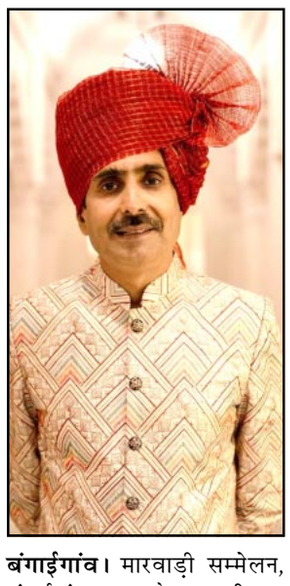

बंगाईगांव। मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा के आगामी सत्र 2025-27 के अध्यक्ष पद के लिए अनिल कुमार सुराणा को निर्विरोध चुना गया। शाखा कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से महेश कुमार अग्रवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त कर चुनाव संपन्न करने का दायित्व सौंपा। 9 अप्रैल को चुनाव अधिसूचना जारी की गई थी तथा 17 अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। इस पद के लिए केवल एक ही उम्मीदवार ने अपना नामांकन पत्र भरा जो कि वैध पाया गया। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल तक उम्मीदवार ने अपना नाम वापस न लेने पर चुनाव अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल ने सफलतापूर्वक चुनाव प्रक्रिया संपूर्ण करते हुए अनिल कुमार सुराणा को मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष पद हेतु निर्विरोध चुने जाने की औपचारिक घोषणा की तथा हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए अपनी कार्यकारिणी बनाकर शपथ ग्रहण करने का आग्रह किया।

भारत ने कुआलालंपुर में *माता* मेले 2025 में पूर्वोत्तर पर प्रकाश डाला

गुवाहाटी। मलेशिया की सबसे बड़ी यात्रा और पर्यटन प्रदर्शनी-कुआलालंपुर में पुत्रा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (पीडब्ल्यूटीसी) में आयोजित एमएटीएे मेला 2025 में भारत मंडप का उद्घाटन आज सुबह माननीय केंद्रीय विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा और केदाह दारुल अमन के मुख्यमंत्री माननीय दातो सेरी सानुसी बिन एमडी नूर ने मलेशिया में भारत के उच्चायुक्त बीएन रेड्डी और असम पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (एटीडीसी) के प्रबंध निदेशक पद्मपाणि बरा के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों और यात्रा व्यापार प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। भारतीय उच्चायोग की सक्रिय भागीदारी से संभव हुआ और एटीडीसी द्वारा कार्यान्वित किया गया भारत मंडप आसियान-भारत पर्यटन वर्ष 2025 का एक प्रमुख आकर्षण है। एटीडीसी ने पूर्वोत्तर भारत की पर्यटन क्षमता पर विशेष ध्यान देते हुए भारत की भागीदारी को व्यवस्थित करने और समन्वय करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रत्येक संस्करण में 180, 000 से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति और आरएम 300 मिलियन से अधिक के व्यापारिक लेन-देन के साथ, माता मेला गंतव्य प्रचार के लिए दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे गतिशील प्लेटफार्मों में से एक के रूप में कार्य करता है। इस वर्ष भारत के प्रतिनिधित्व में 18 भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जैसे असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, सिक्किम, मिजोरम, दिल्ली, गुजरात, केरल, राजस्थान, तमिलनाडु, जम्मू और कश्मीर, अंडमान और निकोबार से 50 प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक एकीकृत राष्ट्रीय प्रदर्शन में क्षेत्रीय ताकत का योगदान देता है। 19 अप्रैल को उद्घाटन समारोह में आसियान देशों, भारतीय पर्यटन बोर्ड, ट्रैवल ऑपरेटर, सांस्कृतिक समूहों और सरकारी अधिकारियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इंडिया पैवेलियन में इमर्सिव डेस्टिनेशन डिस्प्ले, फिल्म स्क्रीनिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और टूर ऑपरेटरों के लिए समर्पित बीडब्ल्यूबी जोन शामिल हैं। आध्यात्मिक पर्यटन, इको-टूरिज्म और पूर्वोत्तर भारत के कम प्रसिद्ध ट्रैवल सर्किट पर विशेष ध्यान दिया गया है। केंद्रीय विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कहा कि यह मंच हमें भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक समृद्धि को वैश्विक दर्शकों के सामने पेश करने का अवसर देता है। माता मेले में हमारी उपस्थिति आसियान देशों के साथ पर्यटन संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में वेलनेस रिट्रीट और रिवर क्रूज से लेकर वन्यजीव अनुभव और समुदाय-नेतृत्व वाले यात्रा मॉडल तक, विशिष्ट पेशकशें हैं। इस साल, हम इन कहानियों को सबसे आगे ला रहे हैं। असम पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक, असम सरकार के आयुक्त एवं सचिव, आईआरएस पद्मपाणि बरा ने कहा कि एटीडीसी को इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की भागीदारी को लागू करने पर गर्व है और हमें कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार का आभारी है। हम न केवल असम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, बल्कि पूर्वोत्तर भारत को भारत की वैश्विक पर्यटन पहचान का अभिन्न अंग बनाने के प्रयासों का समन्वय भी कर रहे हैं। प्रदर्शनियों से परे, यह संबंध बनाने, विचारों का आदान-प्रदान करने और क्षेत्रीय पर्यटन हितधारकों के लिए विकास के नए चैनल खोलने का एक स्थान है। माता मेले में भारत की भागीदारी व्यापक पर्यटन पेशेवर आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 का हिस्सा है, जो भारत और आसियान देशों के बीच पर्यटन के क्षेत्र में घनिष्ठ जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई दो-भाग की पहल है। पहले चरण में इस साल की शुरुआत में असम में आसियान पर्यटन पेशेवरों द्वारा एक फील्ड विजिट शामिल थी। वर्तमान में चल रहे दूसरे चरण में माता मेले में भारतीय और आसियान समकक्षों के साथ मिलकर काम करने वाली सहयोगी गतिविधियाँ शामिल हैं, ताकि संयुक्त पर्यटन पहल को बढ़ावा दिया जा सके। यह पहल भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाओ पीडीआर में 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में की गई घोषणा के बाद की गई है, जहां 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में नामित किया गया था। सहयोग का उद्देश्य आपसी सीखने को प्रोत्साहित करना, बाजार-प्रासंगिक पर्यटन उत्पाद बनाना और सीमाओं के पार टिकाऊ यात्रा प्रथाओं को बढ़ावा देना है। आसियान-भारत सहयोग के दौरान चर्चा किए गए अन्य प्रमुख क्षेत्रों में पर्यटन शिक्षा के लिए साझा संसाधन, सांस्कृतिक रूप से सूचित पेशकशों का विकास और संकट संचार ढांचे को बढ़ाना शामिल है। टिकाऊ पर्यटन के लिए कार्य रोडमैप। भारत मंडप 20 अप्रैल 2025 तक सार्वजनिक और व्यापारिक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

संपादकीय

वक्फ की 'सुप्रीम' समीक्षा

सर्वोच्च अदालत वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर 'अंतरिम आदेश' जारी करने के मूड में है, लेकिन कानून पर फिलहाल रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फ से जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़क़ती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंततः उन्होंने अपील के स्वर में कहा-'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था। कई मस्जिदें 13वीं-14वीं सदी की हैं। आप ऐसे 'वक्फ बाय यूजर' को कैसे रजिस्टर करेंगे? वे दस्तावेज कहां से दिखाएंगे? यह असंभव है। यदि वक्फ बाय यूजर की संपत्ति को 'डी-नोटिफाई' किया जाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। न्यायिक पीठ का तीन मुद्दों पर मूड स्पष्ट दिखाई दिया। एक, अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति 'डी-नोटिफाई' नहीं होगी। वह वक्फ बाय यूजर हो अथवा वक्फ बाय डीड हो। दूसरा, कलेक्टर वक्फ संपत्ति का सर्वे कर सकते हैं, लेकिन वक्फ की संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास ही रहेगी। उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते। अदालत को सूचित करेंगे। तीसरा, वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के सभी सदस्य मुस्लिम होने चाहिए, सिवाय पदेन सदस्यों के। वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों को लेकर प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खन्ना और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बीच तीखी बहस भी हुई। न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या सरकार हिंदू धार्मिक बोर्ड या मंदिरों के प्रबंधन में किसी मुसलमान को शामिल करेगी? यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल ने न्यायिक पीठ के तीनों न्यायाधीशों के धर्म (हिंदू) पर सवाल उठाया। प्रधान न्यायाधीश ने जवाब दिया-'जब हम इस सीट पर बैठते हैं, तो हमारी व्यक्तिगत पहचान मायने नहीं रखती। कानून के सामने सभी पक्ष एकसमान हैं।' अब यदि सर्वोच्च अदालत कोई अंतरिम आदेश जारी करती है, तो उसमें कुछ निर्देश सरकारी कानून के खिलाफ भी हो सकते हैं। मुस्लिम पक्ष के वकील कपिल सिब्बल बार-बार अनुच्छेद 26 और 20 करोड़ लोगों की आस्था और उनके धार्मिक प्रबंधन के अधिकार का मुद्दा उठा रहे थे, तो प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा कि अनुच्छेद 26 सार्वभौमिक और धर्मनिरपेक्ष है। यह विधायिका को कानून बनाने से नहीं रोकता। यह सभी समुदायों पर लागू होता है। संसद ने हिंदुओं के संदर्भ में भी कानून बनाए हैं। न्यायमूर्ति ने सिब्बल को धार्मिक बातें कहने से रोका। सिब्बल ने ही 'अंतरिम आदेश' की मांग की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कानून पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने उसे भी खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि जामा मस्जिद सरीखी स्मारक इमारतें यथावत रहेंगी। उनसे कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। जस्टिस खन्ना ने वक्फ संशोधन कानून की धारा 2-ए के प्रावधान पर चिंता जताई। इतना तो स्पष्ट लगता है कि न्यायिक पीठ वक्फ कानून को खारिज नहीं करेगी और रोक लगाने के भी आसार नगण्य हैं, लेकिन ऐसे कुछ सुधार करवा सकती है, जो संविधान के मद्देनजर न्यायोचित नहीं हैं।

नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फ से जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़क़ती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंतत: उन्होंने अपील के स्वर में कहा-'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था।

आप का नजरीया

देश को कमजोर करने वाली नीतियां

सत्ता में काबिज रहने के लिए आम लोगों की जान-माल से किस हद तक खिलवाड़ किया जा सकता है, इसका मौजूदा उदाहरण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। पश्चिम बंगाल देश का ऐसा अकेला राज्य है जहां वक्फ बोर्ड के विरोध में हिंसा हुई है। वैसे देश के ज्यादातर राज्यों में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन तक नहीं हुए। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ममता ने हिंसा के बाद कहा है कि पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन कानून लागू नहीं होगा। ममता बनर्जी का कहना है कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और उन्हीं से इसका जवाब मांगा जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है जब ममता ने वोट बैंक की खातिर मुस्लिम प्रेम दर्शाया है। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ममता सरेआम मुस्लिमों की हिमायत कर चुकी हैं। रोहिंग्या मुसलमानों के मामले में भी ममता ने इसी तरह के प्रेम का इजहार किया था। ममता ने कहा था कि सभी रोहिंग्या आतंकवादी नहीं हैं, जबकि केंद्र सरकार ने संकटग्रस्त समुदाय को निर्वासित करने के अपने रुख पर कायम रहते हुए कहा था कि उनमें से कुछ पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों से जुड़े हुए हैं। तब भी ममता ने इनकी पैरवी करते हुए कहा था कि आतंकवादियों और आम लोगों के बीच अंतर होता है। हर समुदाय में अच्छे और बुरे लोग हो सकते हैं, लेकिन एक समुदाय, एक समुदाय होता है। ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने प्रदेश में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह सख्त कार्रवाई करके जवाब नहीं दिया। यही वजह है कि ऐसे अराजक तत्वों के हौसले पश्चिम बंगाल में बुलंद हैं। पिछले वर्ष रामनवमी पर जुलूस के दौरान हिंसा भड़क़ने से करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। इस मामले में भी पश्चिम बंगाल ही सबसे आगे रहा। लखनऊ में मामूली झड़प के अलावा हिंसा की ऐसी वारदातें देश के अन्य हिस्सों में नहीं हुएं। पश्चिम बंगाल में सरकार चाहे वामपंथियों की रही हो या अब ममता बनर्जी की हो, यह राज्य हिंसा के लिए अभिशप्त हो गया है। कारण भी स्पष्ट है, सारा संघर्ष सत्ता प्राप्ति का है। देश के ज्यादातर राज्यों में जहां चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न होते हैं, वहीं पश्चिम बंगाल का रिकार्ड हिंसा के कारण दागदार बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल देश का इकलौता ऐसा राज्य है जहां पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक जम कर हिंसा होती रही है। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई, जब तृणमूल ने भाजपा को हराया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद हिंसा में 12 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद 5 जून को चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं में भाजपा और माकपा समर्थकों को निशाना बनाया गया। दक्षिण में उत्तर 24 परगना जिले और दक्षिण 24 परगना तथा राज्य के जंगलमहल क्षेत्र के झारग्राम सहित कई जिलों में चुनाव बाद हिंसा की घटनाएं सामने आईं। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन सुरक्षा बलों के जाने के बाद उपद्रवी वापस लौट आए और इलाके में तोडफोड़ की। इसी तरह 8 जून 2023 को बंगाल में जिस दिन से पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ, उसके बाद 15 लोगों की हत्या कर दी गई। वर्ष 2003 में जब यहां पंचायत चुनाव हुए थे, तब 76 लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 40 से ज्यादा लोग तो वोटिंग वाले दिन मारे गए थे। वर्ष 2013 और 2018 के चुनाव के समय यहां केंद्रीय बलों की तैनाती भी हुई थी, बावजूद उसके हिंसा नहीं थमी थी। बीते पांच दशकों में पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में करीब 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा मौतें सिंगुर और नंदीग्राम आंदोलन में हुईं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का दौर 1960 के बाद शुरू हुआ। साल 1967 में राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार आई जिसने 2011 तक करीब 34 साल तक शासन किया। कम्युनिस्ट शासन के दौरान राज्य में राजनीतिक हिंसा में 28 हजार लोग मारे गए।

भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है

तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर

ललित गर्ग

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमजोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा। यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडू जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है। एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चर्चाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है। भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। शाह एक कद्दावर नेता होने के साथ राजनीतिक गणित को समझने में माहिर है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते हैं। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं, सुस्पष्ट एजेंडा है। वह एआईडीएमके के साथ अभी से उदार एवं लचीली सोच से चलना चाहते हैं लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके एवं स्टालिन का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। विकास के लिये सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा। तमिल में भाजपा के पांव जमते हुए दिख रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा की सोच में बदलाव आना, तमिलों की बारीकियों एवं भावनाओं को समझते हुए राजनीतिक दांव चलना। भाजपा के पास द्रविड़ समाज को आकार देने का भले ही संस्थागत इतिहास नहीं है, लेकिन राज्य के विकास में उसने गहरे.संसाधन लगाये हैं। वह एक नया वोट-आधार तैयार कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच विभेद को खत्म करने की कोशिश की। धार्मिक राजत्व का तमिल प्रतीक सेंगोल संसद में स्थापित किया गया। ऐसे अनेक सकारात्मक प्रयास भाजपा के द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। त्रिभाषा फार्मूला भी तमिल लोगों को भाषा के नाम पर जोड़े रखने का एक उपक्रम है। मोदी और शाह दोनों ने तमिल भाषा के प्रति पार्टी के सम्मान को परिभाषित किया। पिछले दशक का एक बड़ा राष्ट्रीय घटनाक्रम यह रहा है कि भाजपा ने चुपचाप अपने नारे हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान में सुधार किया है।

कुछ अलग

अवकाश की तफरीह में

छुट्टी का असर यह कि सार्वजनिक आयोजन भी कहीं तफरीह करने निकल गए। हिमाचल दिवस की रौनक का जज्बा इस बार किलाड़ में देखा गया, लेकिन जिला के उदास मंचों से सार्वजनिक हाजिरी नदारद रही। हमारी भीड़ अब गुलदस्ते में फूल नहीं, स्वार्थ की भूल भुलैया में खुश है। यूं तो वर्ष भर हिमाचल दिवस का आंगन शिमला के सचिवालय में सजता है और मंत्रियों के आगे सजदा करती भीड़ में कार्यसंस्कृति खाली कनस्तर बन जाती है, मगर राष्ट्रीय-प्रादेशिक पर्व के अवकाश अब घर की तिजोरी में गुम हो रहे हैं। जिलों के सार्वजनिक अवकाश के फैशन में इस बार हिमाचल दिवस की पलकें इंतजार करती रहीं, लेकिन राज्य का उत्सव व उत्साह वहां नहीं आया। क्यों न हम इन्हें हिमाचल उत्सव की तरह जिलों में मनाएं। क्यों न हिमाचल के विभिन्न वर्गों व विशेषज्ञों से इस अवसर पर चर्चा कराएं। हिमाचल दिवस क्यों चंद सरकारी घोषणाओं का मंच बनकर एक राज्य स्तरीय समारोह के अलावा अन्य स्थानों पर औपचारिक रस्म बन गया। हिमाचल दिवस के संदर्भ अगर सार्वजनिक करने हैं, तो हर विभाग को अपनी योजनाओं और राज्य के भविष्य के पक्ष में चर्चाएं-परिचर्चाएं और नए मजमून तैयार करने होंगे। मसलन अगर स्वास्थ्य मंत्री कांगड़ा में हिमाचल दिवस के मुख्यातिथि हैं, तो वहां एक हफ्ते की सरगर्मियों चिकित्सा से जुड़े विषयों पर बहस के मसौदों पर खुल कर बात करें। क्यों न पुलिस मैदान पर हिमाचल दिवस के मुख्यातिथि से पूछा जाए कि वहां से चंद कदम दूर जोनल अस्पताल में महीनों से एमडी(मेडिसन) का कोई विशेषज्ञ डाक्टर नहीं भेज पा रहा। अगर काबिना रैंक पर्यटन विभाग की अस्मिता ढोने वाले आरएस बाली हमीरपुर के समारेह में शिरकत करते हुए यह खाका पेश नहीं करते कि जिले में पर्यटन के मायने कैसे मजबूत होंगे, तो हम अवसर गंवा रहे हैं।

देश दुनीया से

मणिपुर के अंदर का खेल

मणिपुर में मैतेयी और कुकी का विवाद पिछले एक साल से चल रहा है। इस विवाद ने सौ से ज्यादा लोगों की जान ले ली। सरकार को बर्खास्त करना पड़ा। देश भर में मणिपुर को लेकर हंगामा होता रहा। मैं कल मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचा था। श्री एम इराबन्ता सिंह की संस्था ने कला संकाय के छात्रों के लिए एक कालेज शुरू करने की योजना बनाई थी। कालेज के शिलान्यास के लिए मुझे बुलाया हुआ था। इराबन्ता सिंह मणिपुर में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इंफाल में घूमते हुए मुझे कहीं नहीं लगा कि इस राज्य में कहीं विवाद है। सारा काम सामान्य तरीके से हो रहा था। कालेज का सांस्कृतिक कार्यक्रम ही देर रात तक चलता रहा। मैंने मणिपुर विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक से पूछा कि यहां किसी प्रकार का विवाद दिखाई तो नहीं देता। उसने सहज उत्तर दिया कि यहां इंफाल घाटी में कोई विवाद नहीं है। दो दिन पहले ही अखबार में खबर छपी थी कि सरकार ने आदेश दिया है कि पहाड़ की ओर जाने वाली सब सडक़ें खोली जाएं। इस पर उसने कहा कि सडक़ें कभी बंद हुई ही नहीं थीं। पहले भी खुली थीं और अब भी खुली हैं। बस एक ही पेंच है। इंफाल घाटी से कोई मैतेयी इन सडक़ों से पहाड़ में जा नहीं सकता और पहाड़ से कोई कुकी इन सडक़ों से इंफाल घाटी में दाखिल नहीं हो सकता। मणिपुर में इंफाल घाटी चारों ओर से पहाड़ों से घिरी है। घाटी में मैतेयी रहते हैं और पहाड़ों पर कुकी और नागा जनजातियों के लोग रहते हैं। असल में यहीं पर सबसे बड़ा झोल है। आजादी से पहले बंगाल के लोग पहाड़ पर रहने वाले सभी लोगों को, चाहे वे किसी भी जनजाति के क्यों न हों, कुकी कहते थे। यह कुछ-कुछ इसी प्रकार था जैसे पंजाब के लोग हिमाचल के पहाड़ों पर रहने वाले सभी लोगों को पहाडिया कहते थे। मणिपुर में पहाड़ की जनजातियां इसका विरोध करती थीं और इसको अपमानजनक मानती थीं। वे स्वयं को कुकी कहना पसंद नहीं करती थीं। ब्रिटिश राज के दिनों में मणिपुर के इन समुदायों को सरकारी अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कुकी या नागा कहना और लिखना शुरू कर दिया था। इसका क्या कारण था? ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मणिपुर की इन अनेक जनजातियों को उनके मूल नाम से काट कर नया नाम देने की जरूरत क्या थी? इसको समझने के लिए गहरे उतरने की जरुरत है। मणिपुर की इन सभी जनजातियों का अपना-अपना गौरवशाली इतिहास है। उनकी अपनी अपनी भाषा है, अपनी-अपनी संस्कृति है। परम सत्ता को लेकर दार्शनिक विचार हैं। ब्रिटिश सरकार जान गई थी कि जब तक ये जनजातियां अपने ऐतिहासिक नामों से जुड़ी हुई हैं, तब तक इनकी संस्कृति को नष्ट करना संभव नहीं होगा। वैसे भी थादौ समुदाय के लोगों ने 1917-1919 तक ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष छेड़ रखा था। संघर्ष की प्रेरणा और ऊर्जा थादौ समुदाय को अपने इतिहास, संस्कृति और पूर्वजों की कथाओं से ही मिलती थी। इसलिए ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने कुछ समुदायों को एक वर्ग बना कर उनका नया नामकरण करके उनके इतिहास को समाप्त कर नया इतिहास लिखने की कोशिश की। जनजाति समुदायों के निवास स्थानों के विकसित होने की एक विशेष पद्धति देखी जा सकती है। किसी एक जनजाति के गांव में दूसरी जनजाति के समुदाय के बसने-रहने की संभावना नगण्य कही जा सकती है। इसका एक कारण यह भी है कि पुराने समय में विभिन्न समुदाय प्रायः आपस में लड़ते रहते थे। इसलिए एक स्थान पर एकजुट होकर रहने की जरूरत रहती थी। यही कारण है कि मणिपुर में विभिन्न समुदायों के मिश्रित गांव प्रायः देखने में नहीं आते। उन्नीसवीं शताब्दी में इस दिशा में थोड़ा परिवर्तन होना शुरू हुआ था। सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरणों से, संचार व सडक़ों की सुलभता के कारण किसी गांव में इक्का-दुक्का अन्य जनजाति समुदायों के लोग भी रहने लगे, लेकिन पिछले दो-तीन साल के संघर्ष ने इस पर फिर से प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। मणिपुर की विभिन्न जनजातियों की बसाहतों को देखने से यह प्रवृत्ति साफ देखी जा सकती है। मणिपुर के जनजाति समुदायों की अलग-अलग संस्कृति को समाप्त कर एक नई सामूहिक पहचान स्थापित करने के लिए ईसाई मिशनरियों का खेल भी ब्रिटिश सरकार के समय से ही चालू है। 1824 में मणिपुर के राजा ने अन्य रियासती राजाओं की तरह एक समझौता किया जिसके अंतर्गत रियासत की सरहदी सुरक्षा ईस्ट इंडिया कंपनी को हस्तांतरित कर दी गई। लेकिन इस समझौते के बाद ईसाई मिशनरियों के प्रवेश का रास्ता भी खुल गया।

भारत की विरासत

ओडिशा

सूर्य देव को समर्पित मंदिर

गंग वंश के महान राजा नरसिम्हादेव 1 ने ओडिशा के पुरी शहर से 35 किलोमीटर दूर स्थित कोणार्क मंदिर का निर्माण करवाया था। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह मंदिर भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है जो अपनी प्राचीन वास्तुकला के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यह सूर्य देव को समर्पित है।

दृष्टि कोण

उत्कृष्ट खिलाड़ी को कम से कम वजीफा तो दो

आज जब विज्ञान ने बहुत उन्नति कर स्वास्थ्य में जहां काफी सुधार किया है, वहीं पर खिलाडियों के उपकरणों व प्ले फील्ड में भी काफी सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले बनाए गए कीर्तिमान आसानी से हर वर्ष टूटते रहते हैं। पहले जब खेल प्रतियोगिता होती थी तो आयोजक प्रतिभागियों को खाना व रहना देते थे। यात्रा किराया व दैनिक भत्ता राज्य खेल संघ दे देते थे, मगर अब यह सब खिलाड़ी को वहन करना पड़ता है। रेल में सीट आरक्षित करवाना भी बड़ी जंग जीतने से कम नहीं है। खिलाड़ी कम थके, इसलिए हवाई यात्रा भी करना जरूरी हो जाता है। खिलाडियों के प्रयोग में होने वाले जूते व किट बहुत महंगी आती है। एक प्रतियोगिता का खर्चा पचास हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सामान्य परिवार का बच्चा कैसे राष्ट्रीय स्तर खेल कर पाएगा, कभी सोचा है। खेलों को राज्य सूची का विषय बना रखा है। केन्द्र व राज्य अपनी अपनी सुविधा अनुसार जब चाहे पला झाड़ लेता है। खिलाड़ी प्रदेश व देश के लिए गौरव लाता है तो फिर सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं देती हैं। एथलेटिक्स, कुश्ती, मुक्केबाजी व अन्य कई खेल हैं जिनमें हिमाचल के स्टार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बढिया प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर खेल जारी रखने के लिए उन्हें काफी धन की जरूरत होती है। इसलिए अधिकतर खिलाडियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपी, लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल का पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं और जिस किशोर खिलाड़ी में स्परिंट जितनी अधिक होगी, वह उतना ही अच्छा किसी भी खेल का खिलाड़ी बनेगा। प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर का पदक नहीं जीत पाई है। आज फिर राज्य में विभिन्न खेलों सहित तेज गति के उभरते हुए खिलाड़ी व एथलीट हैं जिनको वजीफे की बहुत अधिक 2026 में जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है।

बंगाल में डायरेक्ट एक्शन जैसा मंजर मूकदर्शक बन देख रही ममता सरकार : शेखावत

जैसलमेर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल के हालात को दर्दनाक बताया है। शनिवार को शेखावत ने कहा कि जिन्ना के डायरेक्ट एक्शन जैसा मंजर बंगाल में दिखाई देता है और ममता बनर्जी सरकार मूकदर्शक बनकर देख रही है। जैसलमेर में *दिशा* की बैठक के बाद प्रेसवार्ता में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि बहुसंख्यक समाज को जिस तरह से टारगेट कर वहां धार्मिक आधार पर अत्याचार हो रहा है और वहां की सरकार मूकदर्शक बनकर देख रही है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। बंगाल में वर्तमान की जो परिस्थिति है, यह जब मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान बनाने के उद्देश्य से वहां डायरेक्ट एक्शन का कॉल दिया था, उस समय सैकड़ों हिंदुओं का कत्लेआम हुआ था, आज उसी तरह का मंजर बंगाल में दिखाई देता है। शेखावत ने कहा कि आजाद भारत में अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने जिस तरह से बंगाल को जलने के लिए छोड़ दिया है या जलने के लिए मजबूर किया है, वो चिंताजनक है। वक्फ संशोधन कानून से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि ऐसे गरीब मुसलमान, जिनके कल्याण के लिए कुछ संपत्तियां दान की गईं। दुर्भाग्य से कुछ प्रभावशाली लोगों के हितों में काम करने वालों के लिए ये एक अखाड़ा बन गया। इसलिए उसमें संशोधन की आवश्यकता थी। मैं यह मानता हूं कि जो लगभग 38 लाख एकड़ जमीन वक्फ संपत्ति के रूप में चिन्हित है, जो 8, 76, 000 संपत्तियां वक्फ के रूप में चिन्हित हैं, उन संपत्तियों का लाभ जो गरीब मुसलमान को मिलना चाहिए था और नहीं मिल पा रहा था। वक्फ में संशोधन होने के बाद में उसके हितों का कुछ संरक्षण करने में कामयाब होंगे। दिशा की बैठक को लेकर शेखावत ने कहा कि भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित जितनी भी योजनाएं हैं, उनकी समीक्षा के लिए दिशा बैठक का प्रावधान किया गया है। बैठक में जैसलमेर जिले में गर्मी में जल संकट को लेकर समीक्षा की गई। भारत सरकार की योजनाओं पर चर्चा की गई। बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल द्वारा दिशा की बैठक को लेकर दिए बयान से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि दिशा की बैठक का नोटिस 15 दिन पहले प्रस्तावित है। कम से कम 15 दिन का मैंडेटरी पीरियड है। आज से 21 दिन पहले मैंने सूचना दी थी कि इस तिथि को बैठक आयोजित की जा सकती है। जिला प्रशासन ने तारीख तय कर 15 दिन पहले नोटिस सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल को भेजा था। मेरा प्रश्न यह है कि 15 दिन तक वो नोटिस जेब में लेकर घूम रहे थे। आज सुबह मोबाइल में ट्वीट करने के बजाय वो 15 दिन पहले जब नोटिस आया था, तब मुझे फोन करके सूचना कर सकते थे कि भाईसाहब इस बैठक को हम इस तरह से री-ऑर्गेनाइज कर सकते हैं। शेखावत ने तंज कसा कि संवैधानिक संस्थाओं को और व्यवस्थाओं को, अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए और अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाने के लिए, उपयोग करना कांग्रेस के स्वभाव का हिस्सा है, उनके लोगों के स्वभाव का हिस्सा है। उम्मेदाराम अभी नए-नए कांग्रेस में आए हैं, वो भी मुझे लगता है, उस पाठशाला में पढ़ रहे हैं। जैसलमेर किले से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि विश्व धरोहर के संरक्षण और रख-रखाव की जिम्मेदारी हम सब की सामूहिक है। उसमें कहीं न कहीं कमी निश्चित रूप से दिखाई पड़ती है। बिना अनुमति के प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण हो रहा है। बिना अनुमति जिस तरह से किले के सौंदर्य को खराब करने के लिए निर्माण हो रहा है। वो चिंताजनक है। मैंने जिला प्रशासन को भी इस बात का निर्देश दिया है कि इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने बार-बार नोटिस दिए हैं, उन पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसलमेर जिले में गर्मियों में भी पर्यटन बढ़ सके, इसके प्रयास जारी हैं। बॉर्डर टूरिज्म और तनोट माता से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि सुबह मैंने बीएसएफ के अधिकारियों के साथ इसकी समीक्षा की है। उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि तय समय में इसको पूरा कर पाएंगे।

एक राष्ट्र एक चुनाव एक लोकतांत्रिक दिशा में क्रांतिकारी कदम : हरीश द्विवेदी

बस्ती (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के नेता व असम प्रभारी हरीश द्विवेदी ने शनिवार को यहां वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर प्रबुद्ध समागम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में बार-बार चुनावों से न केवल विकास बाधित होता है, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। हरीश द्विवेदी ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव एक ऐसा कदम है जो राष्ट्र की एकता, स्थिरता और सुशासन को मजबूती प्रदान कर सकता है। यह केवल एक चुनावी व्यवस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल हो सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव देश के संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ राजनीतिक पारदर्शिता को भी बढ़ावा देगा। इससे जनता बार-बार के चुनावी प्रचार से मुक्त होगी। देश एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। अभियान के समन्वयक और पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कंसौधन ने विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि यह विचार केवल एक सुझाव नहीं, बल्कि एक जरूरी सुधार है। यदि हम विकास की गति को बनाए रखना चाहते हैं तो राजनीतिक स्थिरता आवश्यक है और उसके लिए चुनाव प्रणाली में परिवर्तन समय की मांग है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सुझाव दिया कि इस प्रणाली को लागू करने से पूर्व एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ राज्यों में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। साथ ही एक सर्वदलीय समिति बनाकर सभी राजनीतिक दलों से व्यापक चर्चा कर आम सहमति बनाई जाए। संविधान में आवश्यक संशोधन कर इसे कानूनी रूप देने की प्रक्रिया भी प्रस्तावित की गई।

नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में ट्रिपल इंजन सरकार ने बहाई विकास की गंगा : बडोली

पलवल (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने शनिवार को जगतगुरु श्री त्रिपुर सुंदरी पीठास्वर 1008 श्री हरि जी महाराज के सान्निध्य में हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री खेल मंत्री गौरव गौतम से उनके पलवल स्थित निवास पर पहुंचकर मुलाकात की। इस अवसर पर खेल मंत्री गौरव गौतम और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली एक निजी कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हरियाणा प्रदेश लगातार प्रगति कर रहे हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की अगुवाई में देश और प्रदेश की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ट्रिपल इंजन की सरकार द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में समान विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हरियाणा सरकार पूरे प्रदेश का समान विकास कर रही हैं। सभी तरफ खुशहाली नजर आती हैं। इस दौरान उन्होंने आमजन से भी बात की। उन्होंने कहा कि पलवल सहित पूरे प्रदेश में उन्हें आत्मीय प्यार और स्नेह मिलता है। इसके लिए वह लोगों के आभारी हैं। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि मुझे गर्व है कि प्रदेश अध्यक्ष आज मेरे विनम्र आमंत्रण पर पलवल पधारे और मेरा मार्गदर्शन करते हुए आशीर्वचन दिए। यह उनका स्नेह और आशीर्वाद ही है जो हमें जनसेवा के पथ पर और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला, पूर्व जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, सतवीर सिंह पटेल हित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में भाजपा प्रदेश कार्यालय में *एक राष्ट्र एक चुनाव* अभियान के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत में शासन को सुव्यवस्थित करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को उसके अनुकूल बनाने की आकांक्षाओं को देखते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में उभरी है जिसके लिए गहन विचार-विमर्श और आम सहमति की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से भारत में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया और उसकी रिपोर्ट को 2024 में जारी किया गया था। इसकी सिफारिशों को 18 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकार किया गया, जो चुनाव सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इस प्रक्रिया के समर्थकों का तर्क है कि इस तरह की प्रणाली प्रशासनिक दक्षता को बढ़ा सकती है, चुनाव संबंधी खर्चों को कम कर सकती है और नीति संबंधी निरंतरता को बढ़ावा दे सकती है। संविधान को अंगीकार किए जाने के बाद, 1951 से 1967 तक लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किए गए थे। यह परंपरा 1957, 1962 और 1967 के तीन आम चुनावों के लिए भी जारी रही। लेकिन इसके बाद कांग्रेस की महत्वाकांक्षा के चलते चुनावी प्रक्रिया बदलती रही। कुछ राज्यों की सरकारों

को समय से पूर्व भंग कर दिया गया, तो कभी लोकसभा को भंग कर दिया गया। इसके बाद देश में चुनाव अलग अलग समय पर होना शुरू हो गए। अब मोदी सरकार फिर से एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा पर कार्य कर रही है, हम सभी को इसका समर्थन करना चाहिए। अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने कहा कि महिला मोर्चा की बैठक में उपस्थित महिलाओं से इस अभियान में जुड़कर आमजन को जागरूक करने की अपील की गई। भार्गव ने कहा कि महिलाओं में एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रति जागरूकता आती है तो समाज में जागरूकता आती है। हम सभी को मिलकर मोदी जी के इस अभियान को राष्ट्र के हित में जन जन तक पहुंचाना है। एक साथ चुनाव कराने से सरकार का ध्यान विकासात्मक गतिविधियों और जन कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीतियों के कार्यान्वयन पर केंद्रित होगा।

अजमेर दरगाह में मंदिर होने के दावे पर सुनवाई अब 31 मई को

अजमेर (हिंस)। अजमेर स्थित दरगाह के गर्भगृह में शिव मंदिर होने के दावे से जुड़ी याचिका पर शनिवार को सुनवाई टाल दी गई। अब इस मामले में अगली सुनवाई 31 मई को होगी। पूर्व में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा दायर याचिका के तहत सरकारी विभागों को दरगाह में चादर पेश करने से रोकने की मांग करते हुए स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। शनिवार को हुई सुनवाई में अल्पसंख्यक मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) की ओर से जवाब दाखिल किया गया। एडवोकेट योगेंद्र ओझा ने जानकारी दी कि जिला न्यायालय की नई इमारत के उद्घाटन, सुप्रीम कोर्ट से अधिवक्ता के अनुपस्थित रहने और नए प्रार्थना पत्रों के कारण सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले भी 19 अप्रैल को सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन बिजयनगर कांड के विरोध में जिला बार एसोसिएशन द्वारा अजमेर बंद का समर्थन करने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी थी। याचिका में विष्णु गुप्ता ने दावा किया है कि अजमेर दरगाह परिसर में संकट मोचन महादेव मंदिर स्थित है। सिविल कोर्ट ने 27 नवंबर 2024 को यह याचिका स्वीकार करते हुए अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी और एएसआई को नोटिस जारी किया था। इसके बाद दरगाह कमेटी ने याचिका खारिज करने की मांग की, जबकि अंजुमन कमेटी, दरगाह दीवान गुलाम दस्तगीर अजमेरी, ए. इमरान (बैंगलोर) और राज जैन (होशियारपुर, पंजाब) ने स्वयं को पक्षकार बनाए जाने की अर्जी दाखिल की है। याचिका में रिटायर्ड जज हरबिलास सारदा द्वारा 1911 में लिखित पुस्तक का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि दरगाह का निर्माण एक मंदिर के अवशेषों पर हुआ था। इसके अतिरिक्त, गर्भगृह और परिसर में एक प्राचीन जैन मंदिर होने की भी बात कही गई है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव : शोभायात्रा के लिए दिया मोती डूंगरी गणेश जी को आमंत्रण

जयपुर (हिंस)। चिरंजीवी भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 29 अप्रैल को विद्याधर नगर स्थित भगवान परशुराम सर्किल से शाम साढ़े छह बजे रवाना होने वाली अष्टम ध्वज शोभायात्रा के लिए शनिवार को प्रथम पूज्य मोती डूंगरी गणेश जी को निमंत्रण दिया गया। बड़ी संख्या में विप्र बंधुओं ने शोभायात्रा के निर्विघ्न रूप से संपन्न होने की कामना के साथ विघ्न विनाशक गणपति की पूजा-अर्चना की। आयोजन से जुड़े गोपाल शर्मा ने बताया कि पोस्टर विमोचन के मौके पर वार्ड नंबर 15 की पार्षद डॉ. मीनाक्षी शर्मा, सुधीर शर्मा, नगेन्द्र वशिष्ठ, विद्याधर शर्मा, विरेन्द्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। गोपाल शर्मा ने बताया कि गाजे बाजे, लवाजमे के साथ निकलने वाली शोभायात्रा में मुख्य रथ पर भगवान परशुराम जी विराजमान रहेंगे। ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों के लोग हाथों में ध्वज लेकर चलेंगे।

किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी सरकार : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह तेज बारिश के बावजूद जनता दर्शन का सिलसिला जारी रखा। पहले लगा था कि शायद इतने प्रतिकूल मौसम में जनता दर्शन कार्यक्रम न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री योगी के जनसेवा का अनुष्ठान जारी रहा। उन्होंने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और इन समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर प्रवास पर होने के चलते शनिवार सुबह कई लोग जनता दर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। पर, तेज बारिश के कारण उन्हें यह आशंका थी कि शायद उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री ने प्रतिकूल मौसम को देखते हुए लोगों के बैठने की व्यवस्था महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कराई। इस दौरान उन्होंने 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण करना, उनकी सरकार की प्राथमिकता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे

अधिकारियों की इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने आत्मीयता से सभी लोगों को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में कार्रवाई करने में अनावश्यक विलंब न होने की हिदायत दी तो जमीन कब्जा करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दबंग और भू माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए। पुलिस से जुड़े कुछ मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करने और उसके बाद विधिक कार्यवाही में कोताही नहीं होनी चाहिए। घरेलू विवाद के मामले में उन्होंने परस्पर संवाद से समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। हर बार की भांति इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा। जनता दर्शन में समस्या लेकर आई आंशिक रूप से शारीरिक अक्षमता की शिकार कर महिला और उसके साथ बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इनकी समस्या का निस्तारण कराओ और इन्हें चाय भी पिलाओ। इस दौरान कुछ अन्य लोगों के साथ आए उनके बच्चों को मुख्यमंत्री योगी ने प्यार, दुलारकर आशीर्वाद दिया। उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

अररिया (हिंस)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद घटना से हिंदू संगठनों में आक्रोश बढ़ गया है। राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट की बिहार इकाई ने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की असंवेदनशील रवैये पर आक्रोश व्यक्त किया है। फ्रंट ने गृह मंत्री अमित शाह एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अलग अलग पत्र प्रेषित कर पश्चिम बंगाल में यथाशीघ्र राष्ट्रपति शासन लगाने के साथ जिहादी घुसपैठिये को अविलंब बाहर निकालने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने मुर्शिदाबाद घटना की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि यह कुकृत्य वक्फ संशोधन बिल की आड़ लेकर मुर्शिदाबाद से हिंदुओं की सफाया करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हर कोई को विरोध प्रदर्शन का अधिकार है, परंतु हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा बर्दाश्त नही किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष कुमार ने आक्रोश भरे लहजे में कहा कि बंगाल के मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी की संविधान विरोधी टिप्पणी पर कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने गृहमंत्री, प्रधानमंत्री को प्रेषित पत्र में कहा है कि बंगाल की स्थिति पूरी तरह बिगड़ चुकी है। एक विशेष वर्ग को लगातार निशाना बनाकर उनके

प्रतिष्ठानों में लूट, हत्या, आगजनी और दुष्कर्म की घटना को एक विशेष समुदाय के लोग अंजाम दे रहें है। कानून व्यवस्था बनाने में सरकारी तंत्र के पूरी तरह से पंगु हो जाने से उपद्रवियों के हौसले बुलंद है। हिंदू समुदाय पलायन के साथ अपने ही देश मे शरणार्थी बनकर रहने को विवश है। इसलिए आवश्यक है कि पश्चिम बंगाल की हिंदू विरोधी ममता बनर्जी सरकार को संविधान में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग कर बर्खास्त कर शीघ्र राष्ट्रपति शासन लगाया जाय। मौके पर फ्रंट के प्रदेश महासचिव सुबोध मोहन ठाकुर, प्रदेश सचिव सत्यवान मालाकार, जिला संयोजक संदीप कुमार, विपुल सिंह विभाष झ, वीरेंद्र मेहता सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बंगाल में फैल रहा कट्टरवाद लगाया जाए राष्ट्रपति शासन : बजरंग दल

बागपत (हिंस)। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए बजरंगदल ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में हिंदुओं की सुरक्षा और बंगाल में फैलते कट्टरवाद पर लगाम लगाने की मांग की गई है। बजरंग दल कार्यकर्ता शनिवार को बड़ी संख्या में एकत्र होकर बड़ौत तहसील पहुंचे। अंतर राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह तोमर और अर्जुन के नेतृत्व में एडीएम बागपत को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बंगाल में हो रही हिंसा, हिंदुओ की हत्या पर गहरा दु:ख जताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग उठाई गई। आरोप लगाया गया कि बंगाल में विदेशी ताकतें देश को अस्थिर करना चाहती है। बंगाल सरकार का उनको संरक्षण प्राप्त है। बंगाल सरकार कट्टरवाद को बढ़ावा दे रही है जिसके कारण बंगाल के हालत ज्यादा खराब होते जा रहे हैं।

जैसलमेर में एआई तकनीक से जन्मा तीसरा गोडावण

भारत बना दुनिया का पहला देश, गोडावणों की संख्या पहुंची 55

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर के सम गांव स्थित सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन (एआई) यानी कृत्रिम गर्भाधान के जरिए एक और गोडावण चूजे का जन्म हुआ है। इस तकनीक से जन्म लेने वाला यह तीसरा गोडावण है। दावा किया जा रहा है कि इस विधि से गोडावण को जन्म देने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। डेज़र्ट नेशनल पार्क के डीएफओ बृजमोहन गुप्ता ने बताया कि रामदेवरा स्थित केंद्र से नर गोडावण *सुदा* के स्पर्म लेकर सुदासरी स्थित मादा गोडावण *शार्की* को कृत्रिम रूप से गर्भित किया गया। शार्की ने 26 मार्च को अंडा दिया था, जिससे 17 अप्रैल को चूजे का जन्म हुआ। अब इस ब्रीडिंग सेंटर में गोडावणों की कुल संख्या बढ़कर 55 हो गई है। यह

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में पहली बार इसी प्रक्रिया द्वारा एक गोडावण का जन्म हुआ था और अब 2025 में दो और चूजों ने जन्म लिया है। यह उपलब्धि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) जैसी संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। डीएफओ गुप्ता ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत नर गोडावण को एक कृत्रिम मादा के समक्ष विशेष प्रशिक्षण देकर तैयार किया गया, ताकि वह बिना प्राकृतिक संसर्ग के स्पर्म दे सके। इस प्रशिक्षण में लगभग आठ महीने का समय लगा। इसके बाद प्राप्त स्पर्म का प्रयोग मादा गोडावण में कृत्रिम गर्भाधान के लिए किया गया। पहले जन्मे गोडावण के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाई गई थी। 20 सितंबर 2024 को मादा *टोनी* को कृत्रिम रूप से गर्भित किया गया था, जिससे पहला गोडावण चूजा पैदा हुआ। इस सफलता ने प्रोजेक्ट जीआईबी को नई दिशा दी है। गुप्ता ने आगे बताया कि इस तकनीक की प्रेरणा अबू धाबी स्थित इंटरनेशनल फंड फॉर हुबारा कंजर्वेशन फाउंडेशन से ली गई, जहां इस पद्धति का प्रयोग *तिलोर* पक्षियों पर किया गया था। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने वहां जाकर इस तकनीक का अध्ययन किया और भारत में गोडावण पर इसे सफलतापूर्वक लागू किया।

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

चुनाव की तैयारी को लेकर दी जानकारी

अररिया (हिंस)। अररिया डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनिल कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश के तहत निर्वाचन को लेकर किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। डीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 2070739 मतदाता हैं। जिसमें पुरुष 1073753, महिला 996890 तथा अन्य 96 मतदाता पंजीकृत है। जिले में कुल 2028 मतदान केंद्र अधिसूचित है। आगामी चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर मतदान केंद्र के गठन एवं मतदान केंद्रों में वृद्धि की संभावना है, जिसके आधार पर जिले में ईवीएम आवंटित की गई है। यह भी बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी चुनाव को देखते हुए निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारियों सहित राजनैतिक दलों के बीएलए-1 को भी दिल्ली में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतदान प्रतिशत में सुधार एवं पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में जिला स्तर पर आवश्यक तैयारी की जा रही है। स्वीप के तहत कार्य योजना तैयार की जा रही है ताकि मतदान प्रतिशत में सुधार हो सके, साथ ही डीएमसीएई का गठन कर पीडब्ल्यूडी मतदाताओं को मिलने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन कर सभी सुविधाएं सम्मिलित करने की दिशा में प्रयास किए जाने की जानकारी दी। बैठक में निर्वाचन शाखा के वरीय प्रभारी अजय कुमार ठाकुर, अपर समाहर्ता एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. राम बाबू, अविनाश कृष्ण सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पर जीएसटी नहीं लगाएगी सरकार : वित्त मंत्री

नई दिल्ली

पिछले वित्तवर्ष में यूपीआई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड 260.56 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के उत्साहजनक खबरों के बीच लोगों को जैसे ही पता चला कि सरकार 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी वसूलने की तैयारी कर रही है, सब निराश हो गए। सोशल मीडिया पर इसे लेकर यूजर्स की नाराजगी साफ दिखने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि वित्त मंत्रालय को खुद आकर पूरी बात

सोशल मीडिया में चल रही खबरें झूठी और भ्रामक

बतानी पड़ी। वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी कर बताया कि 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। सोशल मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और बिना किसी आधार के वायरल हो रही हैं। साफ कर दिया है कि यूपीआई पर किसी भी तरह का जीएसटी नहीं वसूला जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा कि कुछ उपकरणों के जरिये भुगतान जैसे क्रेडिट कार्ड आदि पर लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर ही जीएसटी लगाया जाता है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2020 से केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर हटा दिया है. चूंकि, वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाता है, लिहाजा इस तरह के लेनदेन पर कोई जीएसटी लागू नहीं होता है। मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में बताया है कि यूपीआई के विकास को समर्थन बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू है. यह योजना विशेष रूप से कम-मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन को प्रोत्साहित करती है, ताकि छोटे व्यापारियों को लेनदेन की लागत में राहत मिल सके ।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के गुस्से का शिकार हुए पॉवेल, इन्हें हटाने की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने तानाशाही रूप का परिचय देना जारी रखा है, जब

उन्होंने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चीफ जेरोम पॉवेल की ब्याज दरें घटाने की मांग की थी और उनके फैसले को मानने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। ट्रंप के इस गुस्से का शिकार अब भूमिकाधारक योगदान देने वाले पॉवेल हैं, जिनके हटाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। पॉवेल ने ट्रंप की इस मांग को मानने से इनकार कर दिया था, जिससे ट्रंप का दिल और भी बुरा हो गया। अब सरकार इन्हें अपनी बाधा मानते हुए कुर्सी से हटाने के लिए उनकी तलाश में है। पॉवेल ने ट्रंप की ब्याज दर घटाने की मांग को मानने से कर दिया था इनकार इस विवाद की गतिविधियों में शामिल होने वाले नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक ने भी इस दिशा में संकेत दिया है। ट्रंप और पॉवेल के बीच जो टकराव सामने आया है, यह उनकी विचारधारा और आर्थिक नीति में अनैतिकता और संघर्ष की दिशा में जा रहा है। ट्रंप की गुस्सा भरी धमकियों के बाद पॉवेल के सामने कैसे रामू की तरह उनकी उपस्थिति कायम रहेगी, यह अब देखने को मिलेगा। फेडरल रिजर्व गवर्नरों को सीधे तौर पर निकालने का अधिकार राष्ट्रपति के पास नहीं है, लेकिन ट्रंप इस प्रक्रिया को शुरू करने की कोशिशें कर रहे हैं ताकि पॉवेल के खिलाफ कोई कार्रवाई की जा सके। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान पॉवेल को चेयरमैन के रूप में नामित किया था, लेकिन अब वे उनके खिलाफ चुनौती बने।

वॉट्सऐप ने वीडियो स्टेटस की ड्यूरेशन को बढ़ाकर 90 सेकेंड किया

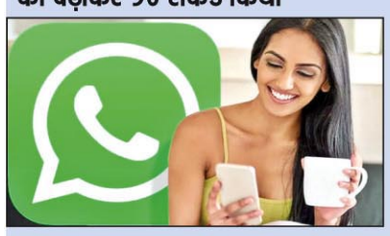

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने अपने स्टेटस अपडेट के लिए एक नया फीचर पेश किया है। यह नया फीचर यूजर्स को 90 सेकेंड तक के वीडियो लगाने की अनुमति देगा। लंबे वीडियो को स्टेटस में अपडेट करने के लिए उसे छोटे हिस्सों में विभाजित करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह जानकारी वाबेटाइंफो ने दी है, जिन्होंने इसे वॉट्सऐप बीटा फॉर एंड्रॉयड 2.25.12.9 में देखा और इसका स्क्रीनशॉट भी साझा किया। इस नए फीचर के तहत, वॉट्सऐप ने वीडियो स्टेटस की ड्यूरेशन को 60 सेकेंड से बढ़ाकर 90 सेकेंड कर दिया है। इससे यूजर्स अब अपने वीडियो स्टेटस में अपनी भावनाओं और विचारों को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाएंगे। यह फीचर पिछले साल के एक बदलाव का हिस्सा है, जब कंपनी ने वीडियो स्टेटस की सीमा को 30 सेकेंड से बढ़ाकर 1 मिनट किया था। यह नया फीचर धीरे-धीरे बीटा यूजर्स तक पहुंच रहा है और आने वाले दिनों में सभी बीटा यूजर्स इसे अपने स्टेटस अपडेट में 90 सेकेंड का वीडियो पोस्ट करके चेक कर सकते हैं। अगर यह फीचर आपके पास पहुंच चुका है, तो आप इसे इस्तेमाल कर सकेंगे, अन्यथा यह कुछ दिनों में उपलब्ध हो सकता है। इसके अलावा, वॉट्सऐप जल्द ही एक नया चैट प्राइवेसी फीचर भी लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

इंस्टर ने 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीता

नई दिल्ली। गुणवत्तायुक्त कारें निर्माण करने वाली कंपनी हुंडई की छोटी इलेक्ट्रिक कार इंस्टर ने 2025

वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंस्टर ने पोर्श मैकन और किआ ईवी3 जैसी लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों को पीछे छोड़ते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया।इस कार को 2025 वर्ल्ड अर्बन कार और वर्ल्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल कैटेगरी के लिए भी नोमिनेट किया गया था। इस अवॉर्ड का ऐलान न्यूयॉर्क इंटरनेशनल ऑटो शो में किया गया। मोटर कंपनी के प्रेसिडेंट और सीईओ जोस मुनोज ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि इंस्टर ग्राहकों के बीच हमेशा पसंद की गई है, और यह अवॉर्ड इसके बेहतरीन डिजाइन, रेंज और टेक्नोलॉजी को पहचानने का प्रतीक है। इंस्टर की खासियत इसमें दी गई एसयूवी जैसी डिजाइन और 49केडब्ल्यूएच बैटरी है, जो 115बीएचपी पावर और 147एनएम टॉर्क देती है। यह कार 10.6 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 150 किमी/घंटा है, और यह पूरी तरह चार्ज होने पर 360 किमी तक की रेंज देती है। इंस्टर में एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इसका बेस मॉडल लगभग 30.53 लाख रुपये में उपलब्ध है।वर्ल्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए कारों को इलेक्ट्रिक मोटरों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए, और उन्हें 5,000 यूनिट्स प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता के साथ, कम से कम दो प्रमुख बाजारों में बेचा जाना चाहिए।

भारतीय दवा कंपनियों की नजर 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार पर

साल 2034 तक अमेरिकी दवा बाजार 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली

भारतीय दवा कंपनियां 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी दवा बाजार हर साल 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर के हिसाब से बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से कई भारतीय दवा कंपनियों को कैंसर की जेनेरिक दवाइयों के लिए अमेरिकी औषधि नियामक (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिली है, जिससे अमेरिकी बाजार में जेनरिक और बायोसिमिलर दवाओं में प्रवेश लगातार बढ़ा है। साल 2024 में अमेरिकी कैंसर दवा बाजार का मूल्य 145.52 अरब डॉलर आंका गया था और साल 2034 तक इसके 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 से 2034 के बीच इसके सालाना 11.1 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सिप्ला, बायोकॉन बायोलॉजिक्स और जायडस लाइफसाइंसेज को मिली मंजूरी कैंसर उपचार के जटिल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की बढ़ती क्षमताओं और आकर्षक अमेरिकी बाजार में उनकी बढ़ती उपस्थिति की ओर इशारा करते हैं। भारतीय कंपनियां पिछले कुछ समय से जटिल जेनेरिक पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जो उन्हें अमेरिका में जेनेरिक क्षेत्र में मूल्य निर्धारण के दबाव से भी कहीं न कहीं बचाता है।

इक्रा की उपाध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद से एफडीए प्रक्रिया सामान्य हो गई है और अब भारतीय कंपनियां कैंसर की दवाओं जैसे जटिल मॉलिक्यूल्स पर ध्यान दे रही हैं, क्योंकि बुनियादी जेनरिक श्रेणी अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गई है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने 10 अप्रैल को एवास्टिन के बायोसिमिलर जोबेवेन (बेवाकिजुमाब-एनयूजीडी) के लिए एफडीए मंजूरी मिलने की घोषणा की थी। इसका उपयोग कोलोरेक्टल, फेफड़े और ग्लियोब्लास्टोमा जैसे विभिन्न कैंसर के उपचार में किया जाता है। यह बायोकॉन का अमेरिका में स्वीकृत सातवां बायोसिमिलर है, इसके साथ ही इसके कैंसर की दवाओं के पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है। कंपनी अमेरिका, यूरोप और कनाडा में ओगिवरी और फुलफिला जैसे बायोसिमिलर भी बेचती है। सिप्ला ने एब्राक्सेन के अपने एबी-रेटेड-जेनरिक संस्करण के लिए अमेरिकी औषधि नियामक से मंजूरी हासिल कर ली। इसका उपयोग स्तन कैंसर, गैर स्मॉल सेल फेफड़ों के कैंसर और पैंक्रियाटिक कैंसर में उपयोग होता है और सिप्ला की यह दवा 2025-26 की पहली छमाही में अमेरिका में आ सकती है। मार्च में जायडस को भी मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन-सेंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एर्लेडा की जेनेरिक दवा को मंजूरी मिली थी।

मुंबई एयरपोर्ट नौ मई को छह घंटे बंद रहेगा

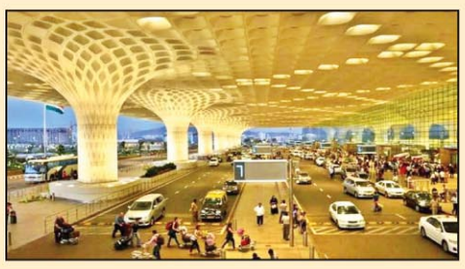

मुंबई। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उड़ान संचालन मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण नौ मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह भी कहा कि सभी हितधारकों को सूचित करने के लिए अनिवार्य नोटम (एयरमैन को नोटिस) छह महीने पहले जारी किया गया था। निजी क्षेत्र के परिचालक ने कहा कि दोनों हवाई पट्टी- 09/27 और 14/32 पर मानसून से पहले होने वाला रखरखाव कार्य नौ मई को सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च

नई दिल्ली

होंडा कार्स इंडिया ने अपनी पॉपुलर कारों अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च की है। भारत में डीजल कारों की संख्या कम होने के साथ ही लोग अब सीएनजी को एक बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह ना सिर्फ सस्ता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी उपयुक्त है। ये किट्स सरकारी मान्यता प्राप्त हैं और डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। पहले होंडा केवल पेट्रोल इंजन वाली कारें बेचती थी, लेकिन अब कंपनी ने सीएनजी ऑप्शन भी पेश किया है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि ये सीएनजी किट्स फैक्ट्री-फिटेड नहीं होंगी, बल्कि डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। कुछ विशेष डीलर्स ही यह किट्स इंस्टॉल करेंगे, और इसका काम प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किया जाएगा। इंस्टॉलेशन के बाद कार का रजिस्ट्रेशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों के तौर पर कराना होगा। इस समय, यह कंफर्म नहीं है कि होंडा की सिटी को भी यह सीएनजी किट मिलेगी या नहीं। फिलहाल, कंपनी ने केवल अमेज और एलिवेट के लिए इस सुविधा की घोषणा की है।

हालांकि, कंपनी ने सीएनजी किट्स के साथ गाड़ियों की माइलेज के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है, लेकिन सामान्यत: सीएनजी से चलने वाली कारें पेट्रोल की तुलना में 30-40 प्रतिशत सस्ती चलती हैं। यह कदम उस समय आया है जब डीजल विकल्पों की कमी हो रही है और सीएनजी एक सस्ती, किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। अगर आप पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं और एक किफायती व स्टाइलिश गाड़ी की तलाश में हैं, तो होंडा की नई पेशकश आपके लिए खुशखबरी लेकर आई है।

जाइडस मेडटेक और ब्रेल बायोमेडिका के बीच करार

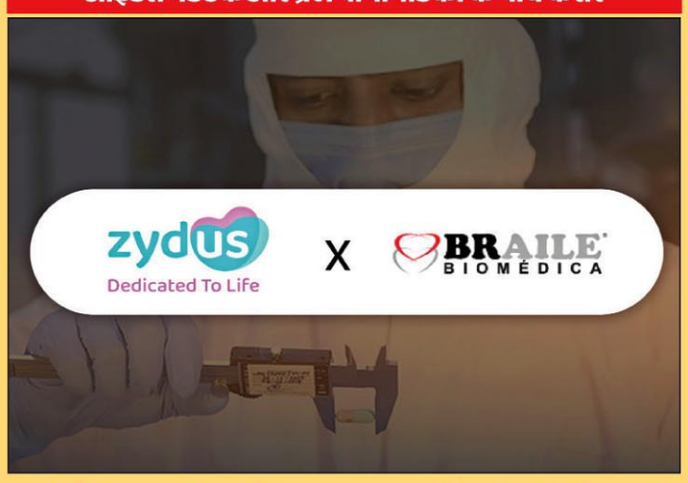

औषधि निर्माता बहुराष्ट्रीय कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जाइडस मेडटेक ने ब्राजील की अग्रणी हृदय उपकरण निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) तकनीक का यूरोप, भारत और अन्य चुनिंदा बाजारों में विशेष रूप से व्यावसाय करेंगी। यह सहयोग जाइडस मेडटेक के तेजी से विस्तार कर रहे इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी पोर्टफोलियो को मजबूती प्रदान करेगा। टीएवीआई एक मिनिमली इनवेसिव हृदय प्रक्रिया है, जो विशेषकर उच्च शल्य जोखिम वाले या वृद्ध मरीजों के लिए प्रभावी विकल्प मानी जाती है।

ट्रंप के टैरिफ से आंध्र प्रदेश के झींगा व्यवसायी मायूस

झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की आ सकती है गिरावट

मुंबई

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जब से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की तो देश भर के झींगा प्रेमी सबसे अधिक मायूस हो गए। अमेरिका से करीब 13,000 किलोमीटर अधिक दूर आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के लक्ष्मीपुरम-पल्लीपलेम क्षेत्र के हरेभरे इलाके में एक बुजुर्ग झींगा किसान ने जवाबी शुल्क के बारे में कभी नहीं सुना था। लेकिन अब वह तेलुगु, टूटी-फूटी अंग्रेजी और हिंदी की मिलीजुली भाषा में ट्रंप शुल्क के प्रभाव को साफ तौर पर बता पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप मेरे झींगा कारोबार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके जैसे तमाम झींगा किसानों को हाल के वर्षों में वायरस की मार झेलनी पड़ी थी। अब उन्हें अमेरिका में उच्च शुल्क का दंश महसूस हो रहा है क्योंकि इससे झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की गिरावट दिख सकती है। उन्हें लगता है कि ट्रंप शुल्क उनकी पूरी कमाई को ही खत्म कर देगा। यह केवल एक किसान की ही कहानी नहीं है।

आंध्र प्रदेश में 1.4 लाख से अधिक किसान और करीब 20 लाख लोग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर जलीय कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। राज्य में यह क्षेत्र करीब 2.12 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है जहां मछली के साथ-साथ झींगे का भी पालन किया जाता है।

हालांकि अमेरिका को केवल 50 से कम काउंट की सीमा में सिर्फ श्रिम्प किस्म का ही निर्यात किया जाता है, लेकिन 100, 90, 80, 70 और 60 काउंट वाली अन्य किस्मों की कीमतों में भी भारी गिरावट देखी गई है। इन किस्मों को मुख्य तौर पर चीन, यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान एवं अन्य एशियाई बाजारों में भेजा जाता है।

ब्लूस्मार्ट के बंद होने से उबर को हो सकता है बड़ा फायदा

ग्राहक और निवेशक दोनों ने दिखाया भरोसा

नई दिल्ली

पिछले कुछ सालों में भारत में इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में ब्लूस्मार्ट नामक कंपनी ने एक अग्रणी स्थान बनाया था, लेकिन हाल ही में इस कंपनी ने अचानक अपनी सेवाएं बंद कर दी है। इस निराशाजनक दृश्य के परिणामस्वरूप, उबर को अब अधिक ग्राहकों के प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल सकता है। बाजार में चर्चाओं की न्यूनतम कीमत की अनुस्मारक, उबर ने एक उच्च स्थान बनाया है और यह अब ब्लूस्मार्ट की जगह लेने के लिए तैयार है। ग्राहकों की सुझावों की ओर से भी यह स्पष्ट है कि उबर उनका पसंदीदा विकल्प है, और उसके जरिए ही वे आगे की यात्रा करना चाहते हैं।

गुरुग्राम के एक ब्लूस्मार्ट उपयोगकर्ता ने उबर की महत्वपूर्णता को स्वीकार किया है, और उसने अपने उपयोग की तारीफ की है। इसके साथ ही, एक अन्य सदस्य ने भी उबर को चुनने का कारण बताते हुए कहा कि उबर की सुविधाएं और सुरक्षा की व्यवस्था अन्य कंपनियों के मुकाबले बेहतर हैं। इस तरह ब्लूस्मार्ट की बंद होने से उबर को बड़ा मौका प्राप्त हो सकता है और वह अपने दबदबे को बढ़ाने में सफल हो सकता है। ग्राहकों के आत्मविश्वास और विश्वास को ध्यान में रखते हुए, उबर अब नए उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करने का प्रयास कर सकता है और इससे उसकी व्यापकता और व्यापारिक परिणाम में सुधार हो सकता है।

डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कर छूट के लिए पात्र, टैक्स में छूट और कटौती दोनों का फायदा

नई दिल्ली। भारत के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप चलाने वाले एन्टरप्रिन्योर के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए नए नियमों के अनुसार डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें निवेश पर भी लाभ मिलेगा और इसमें जांच के अधीन नहीं होगा। आयकर विभाग ने एक ट्वीट के माध्यम से यह सूचना जनता तक पहुंचाई, जिसमें उन्होंने दर्शाया कि मान्यता प्राप्त स्टार्टअप जो निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें आयकर अधिनियम, 1961 के तहत विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माना जाएगा। सरकार ने हाल ही में स्टार्टअप्स की परिभाषा में कई सुधार किए थे और उन्हें रियायत का लाभ उठाने की अनुमति भी दी थी। स्टार्टअप का मुख्य उद्देश्य होता है नए और इनोवेटिव आइडिया को व्यवसायिक रूप में सफलतापूर्वक उतारना। भारत में भी ऐसे कई स्टार्टअप्स हैं जो विदेशी निवेशकों से बड़ी फंडिंग प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने एंजेल टैक्स और कटौती को खत्म करके स्टार्टअप्स को और भी स्वार्थक परिवेश प्रदान किया है।

आईपीएल 2025 : मुश्किल पिच पर नेहाल वढेरा ने आसान किया लक्ष्य-हरप्रीत बरार

बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में शुक्रवार को पंजाब किंग्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के चलते मुकाबला 14 ओवर का कर दिया गया था।

पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अपने गेंदबाजों के दम पर आरसीबी को 95/9 के स्कोर पर रोक दिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने किया कमाल

पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, ज़ेवियर बार्टलेट को भी एक सफलता मिली।

आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे।

नेहाल वढेरा की शानदार पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत धीमी रही, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन (19 गेंद) की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 12.1 ओवर में 5 विकेट शेष रहते जीत दिला दी।

श्रेयश अय्यर बोले- चहल आईपीएल के बेस्ट गेंदबाज

वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए उन्हें आईपीएल का बेस्ट बताया।

हरप्रीत बरार ने की वढेरा की तारीफ

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार ने कहा, पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नेहाल वढेरा ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमारा काम आसान कर दिया। वो पिछले 2-3 साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। घरेलू टूर्नामेंट्स में भी उनका अच्छा रिकॉर्ड रहा है। आज जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, वो काबिले तारीफ है।

अय्यर ने कहा, मैच से पहले हम नहीं जानते थे कि पिच कैसा व्यवहार करेगी। लेकिन हमारे कोचों और गेंदबाजों ने हालात के मुताबिक खुद को ढाल लिया। चहल ने शानदार गेंदबाजी की और अहम विकेट दिलाए।

अगला मुकाबला फिर आरसीबी से

पंजाब किंग्स का अगला मुकाबला अब 20 अप्रैल को न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ ही होगा।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लें बाबर आजम : जहीर अब्बास

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने कहा है कि खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज बाबर आजम को सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेनी चाहिये। अब्बास ने कहा कि इससे बाबर को पता चलेगा कि वह कहां गलती कर रहे हैं। उसमें सुधार कर वह पहले की तरह बेहतर बल्लेबाजी कर पायेंगे। अब्बास ने कहा कि जिस प्रकार से बाबर किसी से बात नहीं कर रहे उससे लगता है कि वह घमंडी हैं और किसी से सलाह लेना अपमान समझते हैं। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज रहे जहीर ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तानी और भारतीय खिलाड़ियों ने खराब दौर से गुजरने के दौरान एक-दूसरे से सलाह मांगी थी। उन्होंने कहा कि साल 2016 में यूनिस खान ने मोहम्मद अजहरुद्दीन से बात की और इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाया। वहीं साल 1989-90 में भारत के पाकिस्तान दौरे पर अजहरुद्दीन ने मुझसे सलाह मांगी थी। तब भी रन नहीं बना पा रहा था। ऐसे में मैंने उसे बल्लेबाजी की ग्रिप बदलने के लिए कहा था जिससे उसे लाभ मिला। इसके अलावा सईद अनवर ने भी खराब दौर में सुनील गावस्कर से सलाह मांगी थी। गौरतलब है कि बाबर पिछले काफी समय से रन बनाने में विफल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा वह अब पाक सुपर लीग में भी असफल रहे हैं।

वानखेड़े स्टेडियम पर अपने नाम से पेवेलियन बनने पर सम्मानित अनुभव कर रहा : रोहित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके नाम पर कोई स्टैंड बनेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) द्वारा वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल 3 का नाम बदलकर रोहित शर्मा स्टैंड करने के फैसले से वह गर्व और सम्मान का अनुभव कर रहे हैं। ये उनके लिए भावुक कर देने वाला क्षण है। इस क्रिकेटर ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया, जब वह आजाद मैदान में अंडर-16 प्रशिक्षण के बाद मुंबई रणजी खिलाड़ियों को देखने जाते थे। उन्होंने कहा कि साल 2003-04 में, हम रणजी खिलाड़ियों को देखने ट्रैक पर जाते थे। तब से ही वानखेड़े से पुड़ी मेरी कई यादें हैं। स्टेडियम के पुनर्निर्माण के बाद हमने विश्व कप जीता। अब अपने नाम पर स्टैंड देखना अवास्तविक लगता है। रोहित ने 2007 में भारतीय टीम की ओर से डेब्यू किया था। वह 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अब तक 159 टी20आई, 273 एकदिवसीय और 67 टेस्ट मैच खेले हैं। पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर दिया था। रोहित को 26 मई से शुरू होने जा रहे मुंबई टी20 लीग के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। 2018 में शुरू हुई टी20 मुंबई लीग, एमसीए द्वारा आयोजित एक प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट है, जो युवा प्रतिभाओं के लिए मंच प्रदान करती है।

फ्रेजर को अभी टीम में बनाये रखे कैपिटल्स : बदानी

अहमदाबाद। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी को उम्मीद है कि इस आईपीएल सत्र में अबतक विफल रहे दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। फ्रेजर अब तक इस सत्र में छह मैचों में केवल 55 रन ही बना पाये हैं। वहीं इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र के नौ मैचों में 330 रन बनाए थे। दिल्ली टीम अभी छह मैचों में से पांच में मिली जीत के बाद अंक तालिका में नंबर एक पर है। बदानी को उम्मीद है फ्रेजर को टीम का समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि फ्रेजर एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमें अच्छी शुरुआत देता है और वह एक मैच विजेता है हालांकि पिछले साल की तुलना में उसका प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि अभी टीम मजबूत स्थिति में है और उसे अवसर दे सकती है। साथ ही कहा अगर एक बार फ्रेजर लय हासिल कर लें तो आगे के मैचों में टीम के लिए अच्छा होगा।

एफ 1 : क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वर्स्टापेन

जेद्दाह

फॉर्मूला वन की दुनिया में मैक्स वर्स्टापेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने शुक्रवार को साफ किया कि वर्स्टापेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक

पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वर्स्टापेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इच्छुक हैं। हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, टीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर

इटली के अखबार गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वर्स्टापेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह — जेम्स वाउल्स

मर्सिडीज और वर्स्टापेन की संभावित डील को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, वर्स्टापेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

क्राइसिस मीटिंग की खबर भी अफवाह

रेड बुल टीम की बहरीन में हुई एक बैठक को क्राइसिस समिट बताने की खबरों पर भी हॉर्नर ने सफाई दी। उन्होंने कहा, अगर आप अपनी इंजीनियरिंग टीम के साथ रेस की समीक्षा करते हैं, तो उसे संकट बैठक नहीं कहा जा सकता। हम जानते हैं कि कार में क्या दिक्कतें हैं और उन्हें दूर करने के लिए आगामी रेस में कई अपग्रेड लाने की योजना है।

मुंबई इंडियंस ने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगायी अपने स्टार खिलाड़ियों की प्रतिमाएं

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के टर्मिनल 2 आगमन पर अपने चार स्टार खिलाड़ियों की प्रतिमाएं लगायी हैं। टीम ने जिन खिलाड़ियों की प्रतिमाएं लगायीं वे हैं। रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव फ्रेंचाइजी ने साथ ही कहा, ये चारों सिर्फ मुंबई के लिए नहीं खेले हैं, वे मुंबई की तरह ही खेले हैं निडर और अजेय की तरह। साथ ही कहा किमुंबई इंडियंस नई पीढ़ियों को प्रेरित करना जारी रखती है, यह पहल प्रशंसकों को टीम के करीब लाने और इन दिग्गजों द्वारा बनाई गई विरासत का सम्मान करने की दिशा में एक और कदम है। गौरतलब है कि साल 2008 में उद्घाटन वर्ष से लेकर अब तक के सफर में मुम्बई इंडियंस चेन्नई की टीम ने सबसे अधिक पांच बार खिताब जीता है। इस प्रकार वह लीग चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ ही सबसे सफल फ्रेंचाइजी भी है। सीएसके ने भी पांच बार खिताब जीता है। टीम के पास बुमराह जैसा तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर पंड्या जैसा कप्तान है।

एशेज सीरीज के बाद गाबा मैदान पर नहीं होंगे क्रिकेट मुकाबले

ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफएलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा।

मैकलरेन के चालक अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए

सउदी अरब में मैकलरेन के चालक ब्रिटेन के नोरिस दूसरे अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए।

ऑबामेयांग के लेट गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया

नई दिल्ली

प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में पियरे-एमरिक ऑबामेयांग के देर से किए गए विजयी गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया। इस हार के साथ ही अल नस्र की खिताबी दौड़ को बड़ा झटका लगा है।

पहले हाफ में अल क़दीसिया ने बनाई बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल क़दीसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 35वें मिनट में तुर्की अल-अम्मार के आसान टैप-इन गोल की मदद से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इस गोल की नींव रखी ऑबामेयांग ने, जो लगातार विपक्षी डिफेंस के पीछे दौड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। उनकी तेज़ शॉट को गोलकीपर बेंटो ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर अल-अम्मार ने कोई गलती नहीं की।

अल नस्र का आक्रमण, इरान ने गंवाया सुनहरा मौका

दूसरे हाफ में अल नस्र ने बराबरी की पूरी कोशिश की। 57वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो गेंद को काबू नहीं कर पाए, जिसके बाद जॉन डुरान को शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल के ऊपर चला गया। यह मौका अल नस्र के लिए मैच बदलने वाला हो सकता था।

सादियो माने ने दिलाई बराबरी

84वें मिनट में ब्राज़ीली मिडफील्डर ओतावियो के बेहतरीन क्रॉस पर सादियो माने ने शानदार टच के बाद गेंद को गोलकीपर के पास से गोल में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के बाद अल नस्र के खेमें में खुशी लौट आई थी।

ऑबामेयांग ने फिर रचा इतिहास

लेकिन माने के गोल के महज तीन मिनट बाद ऑबामेयांग ने नाहितान नांदेज़ के क्रॉस पर हेडर लगाकर अल क़दीसिया को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और अल नस्र को हार झेलनी पड़ी।

अंक तालिका में हाल

इस जीत के बावजूद अल क़दीसिया पांचवें स्थान (55 अंक, 28 मैच) पर बना हुआ है। वहीं, हार के बाद अल नस्र तीसरे स्थान (64 अंक) पर है और अब वह लीग लीडर अल इत्तिहाद से आठ अंक पीछे रह गया है। इससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप एशिया क्वालिफायर्स के फाइनल में

नई दिल्ली

मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप क्वालिफाइंग इवेंट (एशिया) में भारत के वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। वीर चोत्राणी ने सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग, चीन के आठवें वरीय ची हिम वोंग को 3-1 (11-7, 11-6, 7-11, 11-4) से हराया। वेर अब फाइनल में पाकिस्तान के टॉप सीड मोहम्मद असीम खान और मलेशिया के तीसरे वरीय अमीशेनराज चंद्रन में से किसी एक के खिलाफ खिताबी भिड़ंत करेंगे। महज 17 साल की अनाहत सिंह ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की आठवीं वरीय हेलेन टैंग को सीधे गेमों में 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से मात दी। फाइनल में अनाहत का सामना हांगकांग, चीन की टोबी टसे से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में भारत की अकांक्षा सालुंखे को 3-1 (11-3, 12-10, 10-12, 11-8) से हराया। इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को 9 से 17 मई तक शिकागो (अमेरिका) में होने वाली वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल तक पहुंचने से देश में स्क्वैश फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

राहुल ने अपने जन्मदिन पर नवजात बेटी इवारा की तस्वीरें साझा की

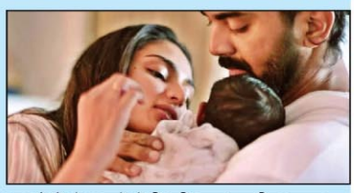

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल 19 अप्रैल को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर राहुल उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने अपनी नवजात बेटी की पहली तस्वीर सार्वजनिक की। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम इवारा रखा है, जिसका मतलब है भगवान का उपहार। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के आते ही प्रशंसकों ने उसे काफी पसंद किया। राहुल और अथिया की बेटी का जन्म पिछले माह 24 मार्च हुआ था। अब दोनों ने अपने बेटी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें राहुल बेटी को गोद में लिए हुए हैं और अथिया प्यार भरी नजरों से उन्हें देख रही हैं। इस लिखा था- हमारी बेटी, हमारे लिए सबकुछ हैं इवारा। राहुल ने बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल बताया है इसमें इवारा का अर्थ भगवान का उपहार है, विपुला उनकी परदादी और रक्षक के सम्मान में रखा गया है, और राहुल उनके पिता के नाम से लिया गया है। इस तस्वीर में इवारा राहुल के कंधे पर लेटी हुई है पर उसका चेहरा छिपा हुआ है। बॉलीवुड सितारों और प्रशंसकों ने इसके कमेंट सेक्शन में प्यार और बधाइयां दीं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने लाल हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा- नाम बताने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता। जन्मदिन की बधाई हो केएल। वहीं अथिया के पिता अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक भावुक जन्मदिन संदेश साझा करते हुए राहुल को सबसे कीमती उपहार बताया।

अच्छे दिन की शुरूआत के लिए अपनाएं ये उपाय

अच्छी दिनचर्या से शरीर को हैल्दी और खूबसूरत आजीवन बनाया रख जा सकता है। अधिकांश महिलाओं को कोई बीमारी नहीं होती, उनकी सिर्फ जीवनशैली गलत होती है। गलत जीवनशैली से शरीर का पूरा सिस्टम ही गडबडा जाता है और इस सिस्टम के सुधरने पर ही स्वास्थ्य एवं सौंदर्य में निखार आता है।

- महिलाएं सुबह बिस्तर छोडते ही काम में लग जाती हैं। उन्हें अपने खानपान की तरफ जरा भी ध्यान नहीं होता है। उनकी यह आदत धीरे-धीरे उन्हें कमजोर और कांतिहीन बना देती है।
- सुबह का नाश्ता करने के बाद ही घर के कार्यों में लगें। दिन के इस बससे कीमती भोजन को छोडने का अर्थ है कि आप अपने दिन का प्रारंभ उपवास से करती हैं, जो आपकी सेहत के लिए एक दिन खतरनाक साबित हो सकता है।
- पानी हल्का गुनगुना पानी पीएं। अगर आपको डाइजेशन की प्रॉब्लम है, तो ठंडा पानी कतई न पीएं। अगर आप सीधे नल का पानी पीते हैं, तो वॉटर प्यूरिफायर लगवा लें। पानी के टेस्ट को बदलने के लिए नींबू या ऑरेंज स्कवैश मिलाकर भी पी सकते हैं।

- शारीरिक श्रम के अनुकूल भोजन करें। जैसा काम हो वैसा भोजन बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। आप वर्किंग लेडी हैं। दिन भर ऑफिस में काम करती हैं और घर आकर भी घरेलू कार्य करती हैं तो आपको अधिक कैलोरी की जरूरत है।
- खाने का समय तय न होने पर पेट से अधिक दिल पर खतरा बढ जाता है। आप कब खाती हैं, यह आपके पौष्टिक आहार से भी अधिक महत्वपूर्ण है। आप जैसा भी भोजन करें, पर निश्चित समय पर करें और भूख रोकने की गलत आदत से बचें। भूख एक नेयुरल क्रिया है और इसे रोकने पर आपके स्वास्थ्य पर खतरा बढ जाता है।
- महिलाओं को मांसपेशियों संबंधी अधिक समस्या होती हैं क्योंकि वे व्यायाम करना पसंद नहीं करती हैं। मांसपेशियों को स्वस्थ एवं सुदृढ रखने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है क्योंकि मांसपेशियां मजबूत होने पर ही खाया-पिया शरीर में लगता है और आप डाइट को ढंग से पचा पाती हैं।
- वैसे तो फलों का जूस पीने की बजाय इन्हें खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। दरअसल, जब हम जूस पीते हैं, तो उसमें मौजूद शुगर हमारे ब्लड में जल्दी घुल जाती है। इसलिए जूस को लाइट करने के लिए इसमें थोड़ा पानी मिला दें। एक कप जूस में तीन-चौथाई हिस्सा पानी का रखें।
- कॉफी में से कैफीन निकाल देने के बाद डीकैफ कॉफी तैयार की जाती है। इसमें बहुत थोड़ी मात्रा में टेबल क्रीम या दूध डाला जाता है और शुगर, हनी या आर्टिफिशियल स्वीटनर की बहुत कम मात्रा भी डाल सकते हैं।
- हर्बल टी कैफीन फ्री हर्बल टी बेहतरीन लिक्विड है। इसमें पेपरमिंट व कैमोमाइल है, जो डाइजेस्टिव सिस्टम की प्रॉब्लम्स व सूजन को कम करते हैं। यह आपको फ्रेशनेस भी देती है।

अब तनाव को भी कम करेगा प्रोटीन

प्रोटीन एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। इससे न केवल बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है, बल्कि कई शारीरिक क्रियाएं भी संचालित होती हैं। अब ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने ऐसा नया प्रोटीन ढूंढने का दावा किया है जो तनाव को कम करने में भी सक्षम है। तनाव के चलते शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने में प्रभावी नए प्रोटीन को टीआरपीवी-1 का नाम दिया गया है।

ब्रेन ट्यूमर को खत्म कर सकते हैं स्टैम सैल

हार्वर्ड के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि स्टैम सैल की मदद से ब्रेन ट्यूमर को खत्म किया जा सकता है। इस खोज में मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल ने भी मदद की है। वैज्ञानिकों ने इस संबंध में चूहों पर प्रयोग किया। उन्होंने पाया कि ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त जिन चूहों को स्टैम सैल की खुराक दी गई उनमें इस बीमारी से लडने की ताकत बढ़ गई।

क्या आपको हो सकती हैं ये 8 खतरनाक बिमारियां

आपका चेहरा जैसे आपके दिल की बात बताती है उसी तरह आपके सेहत के संकेत भी देते हैं। रूखी त्वचा, फटे होंठ और झुर्रियां जैसी छोटी-मोटी समस्या घरेलू उपायों से ठीक की जा सकती हैं, मगर कभी-कभी यह समस्या किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी होती है। इसलिए हर समय इन छोटे संकेतों को बढ़ते उम्र का नाम देकर नजरअंदाज़ न करें, तुरन्त किसी त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें।

कैसे एक आहार विशेषज्ञ इन संकेतों के द्वारा हेल्थ स्टेट्स के बारे में पता लगाते हैं।

असमय झुर्रियों का आना

वैसे तो चेहरे पर झुर्रियों का आना किसी को भी अच्छा नहीं लगता है लेकिन उम्र के लक्षणों को रोका नहीं जा सकता। लेकिन हर समय यही कारण नहीं होता है, महिलाओं में असमय झुर्रियों का आना आस्टिओपरोसिस के प्रथम लक्षण होते हैं। क्रोनोस लॉंगजिविटी रिसर्च इंस्टीच्युट इन फोनिक्स के अध्ययन के अनुसार समय से पहले जिन महिलाओं को मेनोपोज हो जाता है उनका बोन डेन्सिटी कमजोर और असमय झुर्रियों की समस्या होती है। विटामिन डी का अत्यधिक और कम होना असमय झुर्रियों के कारण होता है।

चेहरे पर अवांछित बाल

चेहरे पर अवांछित बाल किस महिला को अच्छा लगता है, लेकिन इसके अलावा भी एक बात सोचने वाली यह है कि पॉलिसिस्टिक ऑवरी सिंड्रोम के भी लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए लड़कियों को इनफर्टिलिटी, अनियमित मासिक धर्म जैसी समस्याएं होती है। इसलिए अवांछित बालों को साफ करने के लिए वैक्सिंग, थ्रेडिंग करने ब्यूटीपार्लर जाने से पहले इसके पीछे छुपे कारण की पहले जांच करें।

अत्यधिक रूखी त्वचा

मौसम के बदलाव के कारण कभी-कभी त्वचा रूखी हो जाती है और देखरेख के बाद वह ठीक हो जाती है। लेकिन जब आप यह देखें कि स्किन को हाइड्रेड करने, सही खाना खाने, मॉश्चराइज करने के बावजूद पूरा शरीर रूखा ही रह जा रहा है तो वह डाइबीटिज के प्रथम लक्षण है। जब आपके पैर और हाथ की त्वचा ज्यादा रूखी नजर आ रही है तो इसका मतलब है कि यह हृदय के बीमारी के लक्षण है। कभी-कभी ऑक्सिजन की कमी का कारण भी त्वचा रूखी हो जाती है जो सराइअसिस के लक्षण होते हैं।

गर्दन पर पिग्मेन्टेशन

यदि सनबर्न के उपचार और स्क्रबिंग के बाद गर्दन का पिग्मेन्टेशन नहीं जा रहा है तो यह डाइबीटिज, एलर्जी के लक्षण भी हो सकते है। यहां तक कि रैशेज सराइअसिस के लक्षण भी हो सकते हैं।

मस्सा

वैसे तो मस्सों से किसी नुकसान की संभावना नहीं होती है सिर्फ यह बढ़ता रहता है। लेकिन मस्से का रंग और आकार आम मस्से से अलग हो तो स्किन कैंसर मेलानोमा के लक्षण होते हैं। लीवर प्रॉब्लम के कारण भी यह होता है।

रैशेज या चेहरे पर लाल आभा

डर जाने से, थक जाने से, या शर्मिंदगी महसूस होने से चेहरे पर लाली छा सकती है मगर जब ठोढ़ी और नाक पर लाल रैशेज नजर आते हैं तब एसएलइ के यह लक्षण होते हैं। चेहरे पर मुहांसे जैसे ब्रेकआउट्स रोसिया जो रक्त कोशिका के बढ़ने के कारण होता है। यहाँ तक कि यह एच.आई.वी इन्फेक्शन के प्रथम संकेत के लक्षण भी हो सकते है।

फटे होंठ

यह आम तौर पर मौसमी सर्दी-खांसी के कारण भी होते है। या विटामिन सी, दवाई से एलर्जी, थॉयराइड आदि के कमी के कारण नमी की कमी हो जाती है। लेकिन इसके साथ जब आपकी आंखे, मुंह, रूखी त्वचा और जोड़ो में दर्द हो रहा हो तो यह लक्षण इम्यून सिस्टेम के डिसऑडर के लक्षण होते है।

सूजा चेहरा

शरीर में जल की अधिकता के कारण इडिमा रोग होता है जो किडनी के सही तरह से कम न करने या रक्त के सही तरह से पंप न करने के कारण चेहरा सूज जाता है। इसलिए अब जब भी आपको अपने चेहरे पर यह लक्षण नजर आए तो घरेलू उपचार करने के जगह पर तुरन्त डॉक्टर से सलाह लें।

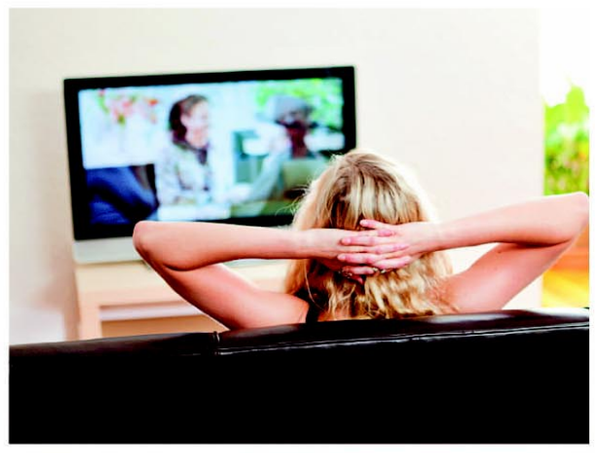

ये आदतें जिंदगी के लिए हो सकती हैं खतरनाक

लंबे जीवन की ख्वाहिश हर कोई रखता है। लेकिन रोज हम कुछ ऐसे काम करते हैं, जो हमारी जिंदगी को कम कर देते हैं। विभिन्न शोधों में पता चला है कि साधारण दिखने वाली कुछ आदतें जिंदगी के लिए खतरनाक हो सकती हैं।

टीवी देखना

ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन में छपे एक शोध के अनुसार, ज्यादा टीवी देखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। शोध के मुताबिक, एक घंटा टीवी देखने से जिंदगी के 22 मिनट कम हो जाते हैं, यानी अगर रोज छह घंटे टीवी देखना जीवन से औसतन पांच साल कम कर देता है।

बैठे रहना

कई शोधों में साबित हो चुका है कि लगातार बैठे रहने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जामा इंटरनल मेडिसिन के शोध के मुताबिक, दिन में लगातार ग्यारह घंटे बैठने से बीमारियों से मौत का खतरा 40 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इसलिए काम के बीच में थोड़ी देर ठहलना चाहिए।

बेरोजगारी

बेरोजगारी की वजह से कई युवा खुदकुशी कर लेते हैं या उनकी अचानक मौत हो जाती है। शोधकर्ताओं ने 15 देशों में 40 साल तक दो करोड़ लोगों पर शोध किया। शोध में पता चला कि बेरोजगार लोगों में अचानक मौत का खतरा नौकरीपेशा लोगों की तुलना में 63 प्रतिशत ज्यादा होता है।

नींद

पर्याप्त नींद को स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना गया है, लेकिन ज्यादा सोना खतरे से खाली नहीं है। आठ घंटे से ज्यादा सोना कई बीमारियों को जन्म दे सकता है।

वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक प्रणाली का काउंसलर्स और साइकैट्रिस्ट भी कर रहे उपयोग

गुस्से को दूर कर सुकून देती है फॉरगिवनेस थैरेपी

माफ कर देना केवल बड़प्पन का ही काम नहीं, इससे आपके मन को भी सुकून मिलता है। एक तरह से यह बिलकुल किसी चिकित्सीय थैरेपी की भांति प्रक्रिया होती है। तो बस एक बार आजमाइए 'फॉरगिवनेस थैरेपी' और महसूस कीजिए इसका कमाल।

कई बार मनुष्य के जीवन में कुछ ऐसे वाकये होते हैं, जो दिमाग में गहरे बैठ जाते हैं और किसी व्यक्ति-विशेष के प्रति हमेशा उसके गुस्से की आग को भड़काए रखते हैं। ऐसे में व्यक्ति वाकये के याद आते ही चिड़चिड़ा हो जाता है, क्योंकि वह गुस्सा निकाल नहीं सकता। यहाँ तक कि किसी खुशी की बात पर भी वह उस बीती बात को याद कर दुःखी होने लगता है। असल में इसलिए कि आपके मन की पीड़ा मिटाना जरूरी है। यह आपके हित में है। ऐसा करने से आपका क्रोध नुकसानदायक नहीं रहेगा।

इस विषय पर जॉन क्रिस्टॉफ अर्नोल्ड ने 'व्हाय फॉरगिव' नामक किताब लिखी है। जिसका तर्क है क्रोध या बदले की भावना को धो डालना। ऐसी समस्या का निराकरण यह है कि फॉरगिवनेस थैरेपी अपनाई जाए। आइए, जानते हैं यह थैरेपी क्यूं जरूरी है और कैसे कार्य करती है-यूं तो यह कोई नई थैरेपी नहीं है, लेकिन अब यह वैज्ञानिक रूप से प्रामाणिक प्रणाली बन गई है। सभी काउंसलर्स, साइकैट्रिस्ट भी इसका उपयोग कर रहे हैं। सवाल यह है कि माफ क्यूं

किया जाए? महान बनने के लिए, भूल जाने के लिए या किसी ने कहा है इसलिए?

समस्या को पहचानें

सबसे पहले उस समस्या को पहचानें। उसके कारण और परिस्थितियों को समझें। बस, हल शुरू हो गया। कारण में कोई घटना, व्यक्ति का व्यवहार या प्रताड़ना हो सकते हैं। फिर यह सोचना शुरू करें कि ऐसा क्यों हुआ? अब विशेषज्ञों की बात मानें। जी हां! विशेषज्ञों के अनुसार माफ करने का तरीका यह है कि उस व्यक्ति की निजी, पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों में स्वयं को रखकर देखा जाए। उस स्थिति को जीकर देखें। इससे आपको सब स्वाभाविक लगेगा।

नामुमकिन है दर्द को भूलना

सामने वाले ने जो कष्ट दिए थे, वे कुछ हल्के लगेंगे। इस अभ्यास को दोहराएं। जी हां! माफ करके भूल जाओ गलत है, क्योंकि दर्द को भूलना नामुमकिन है। माफ करके याद रखो यही सिद्धांत है। बस याद रखना है व्यक्ति की परिस्थिति को। बार-बार जब आप इस स्थिति में जिएंगे तो आपको उसका व्यवहार उचित लगने लगेगा और यहीं से शुरू होगा इलाज।

कम होगा गुस्सा

बदले की भावना के अंत के साथ गुस्सा कम होता जाएगा। वह बुरी घटना स्वाभाविक लगने लगेगी। यह थोड़ी धीमी प्रक्रिया है, लेकिन वाकई कारगर है। महसूस करके निजात पाना है, खुद से इलाज करके उबरना है। आजमाकर देखिए।

रेसिपी

मूंगदाल की कढ़ी

सामग्री

1 लीटर छाछ, 1/2 कप मूंग दाल का पेस्ट, डेढ़ कप उबली हुई सब्जियां (मटर, फूलगोभी, फलियां, गाजर), 1/2 टे.स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 टे.स्पून अदरक (बारीक कटा हुआ), 1/2 टी स्पून जीरा, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टे.स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), नमक स्वादानुसार, 1 प्याज बारीक कटी, 1 टमाटर (कटा हुआ), सजाने के लिए धनिया।

विधि

एक भारी तले के बर्तन में दाल का पेस्ट और छाछ को अच्छी तरह मिलाकर पकाएं। दस मिनट तक लगातार चलाते रहें। आंच को धीमी करके आधे घंटे तक पकने दें। अब इसमें उबली हुई सब्जियां डालकर 15 मिनट तक पकाएं। तड़का लगाकर, बारीक कटे हरे धनिये से सजाकर गर्मागर्मा रोटी के साथ सर्व करें।

पचरंगा पुलाव

सामग्री

2 कप बासमती चावल, 1 शिमला मिर्च, 6-8 फ्रेंच बीन्स, 1 गाजर, 8-10 फूलगोभी (छोटे टुकड़े), 2 प्याज, 3 टे.स्पून शुद्ध घी, 1 टी स्पून जीरा, 1 इंच का टुकड़ादाल चीनी, 3-4 छोटी इलायची, 3-4 लौंग,1 काली मिर्च (साबुत), 2 तेज पत्ता, 1/4 कप हरी मटर के दाने, नमक स्वादानुसार।

विधि

चावल को साफ कर धो लें और आधे घंटे के लिए पानी में भिगोएं। शिमला मिर्च धोकर बीच में से काटें। बीज निकाल कर आधा इंच के टुकड़े कीजिए। गाजर धो कर छील लें व उसके आधे इंच के टुकड़े कीजिए। इसी तरह गोभी को धोकर नमक युक्त गरम पानी में पांच मिनट तक रखिए और पानी से बाहर निकालिए। प्याज छीलिए और पतले लंबे टुकड़े काटिए। भारी तली के बर्तन में घी गरम कीजिए और उसमें जीरा, दालचीनी, छोटी इलायची, लौंग, काली मिर्च व तेज पत्ता डालिए और अच्छी तरह हिलाएं। उसमें प्याज डालकर दो-तीन मिनट तक होने तक हिलाइए। कटी गाजर, फ्रेंचबीन्स, गोभी और हरी मटर डालिए और एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें भीगे हुए चावल डाल दें और एक मिनट हिलाइए। चार कप पानी और नमक भी डालें। एक उबाल आने दीजिए। उसके बाद मध्यम आंच पर तीन से चार मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए, पानी के सूख जाने तक पकाइए। इसमें शिमला मिर्च डालिए। आंच कम कीजिए, ढकिए और छह से आठ मिनट तक या चावल और सब्जियों के पक जाने तक पकाइए। आंच से उतार लें और पांच मिनट तक बिना ढक्कन ढके रखें। अब दही अथवा पुदीने की चटनी के साथ गर्मागर्म पचरंगा पुलाव परोसें।

गर्मी में बढ़ जाता है फूड पॉयजनिंग का खतरा

गर्मी के दिनों में फूड प्वॉजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में हम खाने-पीने में सावधानी बरत कर इन चीजों से बच सकते हैं। फूड प्वॉयजनिंग तब होती है जब आप ऐसे भोजन या पानी का सेवन करते हैं जिसमें बैक्टीरिया, परजीवी विषाणु, वायरस तथा इन कीटाणुओं द्वारा पैदा किए गए विषैले तत्व मौजूद होते हैं। घर से बाहर भोजन करने पर भी फूड प्वॉयजनिंग हो जाती है। यदि भोजन बनाने में साफ-सफाई का पूरा ध्यान न रखा जाए तो इसका खतरा अधिक रहता है। बिना साफ-सफाई के भोजन, अच्छी तरह न धुले बर्तन, फ्रिज से बहुत देर तक बाहर रखा गया सलाद, सही तापमान पर न रखे गए खाद्य पदार्थ, अच्छी तरह साफ न की गई सब्जियां तथा फल फूड प्वायजनिंग का मुख्य कारण होते हैं।

कब होता है अधिक खतरा...?

फूड पॉयजनिंग की संभावना वृद्धों, गर्भवती महिलाओं, नन्हे शिशुओं तथा बच्चों, डायबिटीज, लिवर रोग या एड्स जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में अधिक होती है। इसके सामान्य लक्षण खाना खाने या दूषित पानी पीने से 2 से 6 घंटे भीतर सामने आने लगते हैं। इनमें शामिल हैं पेट में ऐंठन, डायरिया, बुखार तथा कंपकंपी, सिर दर्द, उलटी आना तथा कमजोरी। फूड पॉयजनिंग होने पर डाक्टर इसके संकेतों की गंभीरता की जांच करता है, जिसमें डीहाईड्रेशन शामिल है। अधिकांशतः कुछ दिनों में इसका उपचार हो जाता है।

क्या किया जाए उपचार...?

डॉक्टर का उद्देश्य होता है कि लक्षणों को दूर भगाए और आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ मिल सके। इसके लिए आपको आवश्यकता है कि डायरिया को मैनेज करें। उलटी तथा उबकाई पर नियंत्रण करें। पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन तथा आराम करें। यदि आपको डायरिया, बुखार इत्यादि है तो डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा न लें। डॉक्टर की सलाह के बिना फूड प्वॉयजनिंग से पीड़ित बच्चों को कोई दवा न दें। फूड पॉयजनिंग के कारण आर्थराइटिस, रक्तस्राव की समस्याएं, नर्वस सिस्टम को नुक्सान, किडनी की समस्याएं तथा दिल के आसपास के ऊतकों में सूजन इत्यादि जटिलताएं हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**